कोटद्वार, बुधवार
31 जुलाई 2024
वर्ष: 46
अंक: 97 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

फांसी पर लटका मिला कंपनी के मैनेजर का शव

हल्द्वानी । ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर का शव उसके कमरे में फंदे पर लटका मिला है। पुलिस को जांच के दौरान एक सुसाइड नोट मिला है। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। हालांकि अभी तक परिजनों ने पुलिस को तहरीर नहीं दी है। कोतवाली पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय आकाश सिंह पुत्र राजनेत सिंह निवासी ग्राम गनीपुर डबरहा तिलकहरा जिला आजमगढ़ यहां नौकरी करते थे। उनका ऑफिस ट्रांसपोर्ट नगर में है और वह टीपी नगर परिसर में ही कंपनी कार्यालय के पास ही किराए पर कमरा लेकर रह रहे थे। सोमवार सुबह उनके ऑफिस नहीं पहुंचने पर कंपनी का कर्मचारी रामवीर सिंह उनके कमरे में गया। जहां आकाश का शव पंखे पर फंदे में लटका मिला। कंपनी कर्मचारी ने तत्काल टीपीनगर चौकी पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आकाश सिंह को फंदे से उतारकर डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने आकाश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर सोमवार देर रात परिजन हल्द्वानी पहुंच गए। पुलिस ने परिजनों के समक्ष शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव सौंप दिया। कोतवाल उमेश कुमार मलिक ने बताया कि युवक के कमरे से सुसाइड नोट मिला है। इससे पता चला है कि उसकी शादी आठ महीने पहले ही हुई थी। सुसाइड नोट में उसने अपनी मौत के लिए पत्नी और ससुराल पक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस को इस मामले में अभी तक तहरीर नहीं मिली है।

वायनाड भूस्खलन में मृतकों की संख्या 84 पहुंची

कोझिकोड ,वायनाड भूस्खलन त्रासदी में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब यह आंकड़ा 84 पहुंच गया है। प्रभावित क्षेत्रों में कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। केरल के मुख्य सचिव डॉ. वी. वेणु ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राज्य सरकार ने वायनाड के चूरलमाला में हुए भूस्खलन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस गंभीर त्रासदी को ध्यान में रखते हुए, केरल में मंगलवार और बुधवार को दो दिवसीय आधिकारिक शोक रहेगा। इन दोनों दिनों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और राज्य सरकार के सभी आधिकारिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पोथुकालू हैं। इन इलाकों के स्थानीय लोग जो किसी तरह बच निकलने में कामयाब रहे, वे इस त्रासदी की भयावहता से बेहद सदमे में हैं। वेल्लारीमाला में वीएचएसई स्कूल की प्रिंसिपल भव्या अपने छात्रों से संपर्क करने की लगातार कोशिश कर रही हैं। अब तक वह 560 छात्रों से बात कर पाई हैं और 22 से संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा, मेरे स्कूल में 582 छात्र हैं। मैं अभी तक 22 से संपर्क नहीं कर पाई हूं। मुझे उम्मीद है कि वे सुरक्षित होंगे और मुझे सिर्फ़ इतना लगता है कि उनके फोन चार्ज नहीं हो रहे हैं। पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। इस भीषण बारिश में हमारे स्कूल को नुकसान हुआ है।

अनुराग ठाकुर ने दी मुझे गाली, नही चाहिए माफी, हम कराएंगे जातिगत गणना : राहुल गांधी

नई दिल्ली ,। लोकसभा में मंगलवार को उस समय हंगामा हो गया जब भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने जातिगत गणना के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। ठाकुर ने कहा, जिसकी जाति का पता नहीं है, वह जातिगत गणना की बात कर रहे हैं।

अनुराग ठाकुर ने ये भी कहा कि उधार की बुद्धि से राजनीति नहीं चलती। आजकल कुछ लोगों पर जातिगत जनगणना का भूत सवार है।अनुराग ठाकुर के जाति संबंधी टिप्पणी पर पलटवार करते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, अनुराग ठाकुर ने मुझे गाली दी है, मेरी बेइज्जती की है, लेकिन मुझे इनसे माफी भी नहीं चाहिए। मुझे इसकी जरूरत नहीं है। आप मुझे जितना चाहें अपमानित कर सकते हैं, लेकिन आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि हम संसद में जाति जनगणना विधेयक पारित कराएंगे।

देश में फिर बड़ा रेल हादसा:

हावड़ा–मुंबई मेल की 18 बोगियां पटरी से उतरी, दो यात्रियों की मौत, 50 घायल

जमशेदपुर , झारखंड के चक्रधरपुर रेल मंडल में मंगलवार को तडक़े चार बजे बड़ा ट्रेन हादसा हुआ। राजखरसावां–बडाबांबो स्टेशन के बीच हावड़ा से चलकर मुंबई जाने वाली 12810 मुंबई मेल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रेन की 18 बोगियां पटरी से उतर गईं। हादसे में अब तक दो यात्रियों की मौत हुई है, जबकि 50 यात्री घायल हुए हैं। रेलवे की टीम राहत और बचाव में जुटी है।

कई यात्रियों को नजदीक के हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। रिलीफ ट्रेन के साथ चक्रधरपुर रेल मंडल के कई सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे हैं। चक्रधरपुर मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है। सरायकेला जिला प्रशासन के मुताबिक, दो यात्रियों की मौत हुई है। घायल यात्रियों को बस से अस्पताल ले जाया गया है। बताया गया कि इस रूट पर एक मालगाड़ी दो दिन पहले डिरेल हुई थी। मेल एक्सप्रेस उसी मालगाड़ी के डिब्बों से टकरा गई और उसकी 8–10 बोगियां बेपटरी हो गईं। कुछ डिब्बे आपस में चढ़ गए तो कई गति तेज होने के कारण बीच से मुड़ गए। हादसे की वजह से दक्षिण पूर्व रेलवे के टाटानगर–चक्रधरपुर खंड पर रेल परिचालन पूरी तरह ठप हो गया है। इस हादसे के कारण कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है। क्रेन और अन्य मशीनों की मदद से डिब्बों को हटाने और फंसे हुए यात्रियों को निकालने का काम जारी है। हावड़ा–मुंबई रेल मार्ग पूरी तरह से बाधित है और अन्य ट्रेनों को डायवर्ट किया जा रहा है।

हादसे के वक्त अधिकांश यात्री गहरी नींद में सो रहे थे। तभी अचानक एक तेज आवाज और झटके के साथ कई डिब्बे एक के बाद एक पटरी से उतरते चले गए। ट्रेन के अंदर अफरा–तफरी मच गई।

अमरनाथ यात्रा : 31 दिनों में 4.66 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू , 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को 1,477 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। इसी के साथ अब तक अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 4.66 लाख हो गई है। अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी। यह 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी। मंगलवार को 1,477 तीर्थयात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया, 377 यात्रियों को लेकर 13 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला सुबह 3.25 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। 1,100 यात्रियों को लेकर 39 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला भी उसी समय दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दोनों काफिलों के आज दोपहर से पहले घाटी में पहुंचने की उम्मीद है। सीएपीएफ और जम्मू–कश्मीर पुलिस के असाधारण सुरक्षा इंतजामों के कारण इस साल यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चल रही है। गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती–बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

डाक कांवड़ियों से अटी ऋषिनगरी

ऋषिकेश। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा चरम पर है। ऐसे में मंगलवार को जहां नीलकंठ धाम में शिवभक्तों का रेला उमड़ पड़ा। वहीं ऋषिनगरी डाक कांवड़ियों से अटी नजर आई। शहर के गली–मौहल्ले भी कांवड़ियों और उनके वाहनों से पैक हो गए हैं। भीड़भाड़ में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है जबकि सटे ग्रामीण इलाकों में हरिद्वार–ऋषिकेश नेशनल हाईवे और बाईपास पर कांवड़ियों के वाहनों का हुजूम फर्राटा भर रहा है, जिससे लोगों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। पंचक हटने के बाद से रोजाना नीलकंठ धाम के लिए भारी संख्या में कांवड़िये पहुंच रहे हैं। महज दो दिन के भीतर ही सात लाख से ज्यादा कांवड़िये शिव मंदिर में जलाभिषेक कर चुके हैं। जबकि, मंगलवार को भी भीड़ का यही आलम रहा। बड़े–बड़े वाहनों में पहुंच रहे डाक कांवड़ियों की वजह से ऋषिकेश में अस्थायी पार्किंग फुल हो चुकी हैं, तो अब कांवड़ियों को वाहन कहीं सड़कों और कहीं गली–मौहल्लों में पार्क करने पड़ रहे हैं। कांवड़ियों के हुजूम से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक हाईवे व अन्य मार्गों पर स्थानीय लोगों को चलने के लिए जगह नहीं मिल पा रही है। शिवभक्तों के हुजूम के चलते मजबूरन लोगों को घरों में कैद होना पड़ रहा है। ज्यादा दिक्कत नौकरी पेशा लोगों की बढ़ी हुई है। उन्होंने गंतव्य तक पहुंचने के लिए सवारी वाहन भी नहीं मिल पा रहे हैं।

पांचों पार्किंग फुल, सड़क पर खड़े किए वाहन

डाक कांवड़ियों के बड़े–बड़े वाहनों से पुलिस की पांचों अस्थायी पार्किंग ऋषिकेश में फुल हो चुकी हैं। इनमें आईडीपीएल में तीन और हरिद्वार बाईपास मार्ग पर खांड गांव और योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन की पार्किंग शामिल है। पार्किंग में जगह नहीं होने से बाईपास और आईडीपीएल से लेकर श्यामपुर तक हाईवे और बाइपास रोड किनारे जगह–जगह कांवड़ियों के बड़े–बड़े वाहन खड़े हैं, जिससे यातायात को सुचारू रखने में पुलिस को दिक्कतें पेश आ रही हैं।

अगले 48 घंटे और भारी

कांवड़ यात्रा में अगले 48 घंटे अभी और भारी रहने वाले हैं। डाक कांवड़ियों की लाखों की संख्या में आमद बरकरार है, जोकि एक अगस्त जस की तस रहने की संभावना है। दो अगस्त को कांवड़ियों की संख्या में तेजी गिरावट होने की उम्मीद है, जिसके बाद शहर व आसपास की सड़कों पर स्थिति सही होने का दावा पुलिस ने किया है।

संडे मार्केट हेतु चयनित भूमि दो माह में साफ करे निगम : हाईकोर्ट

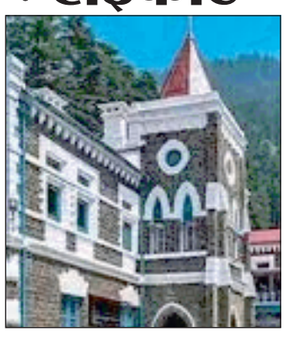

नैनीताल। हाईकोर्ट ने देहरादून की साप्ताहिक संडे बाजार लगाने को हरिद्वार बाईपास में दी गई जगह की सफाई दो माह के भीतर कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश नगर निगम को दिए हैं। मामले में मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु बाहरी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में सुनवाई हुई। इस दौरान पेश हुए नगर निगम के अधिकारियों ने बारिश का हवाला देते हुए कोर्ट से सफाई कार्य के लिए समय देने का अनुरोध किया है। इस पर खंडपीठ ने निगम को दो माह का समय दिया है। देहरादून के साप्ताहिक संडे मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हीरा लाल ने याचिका दायर कर कहा था कि वह देहरादून के परेड ग्राउंड के पीछे और तिब्बती मार्केट के सामने 2004 से प्रत्येक रविवार को साप्ताहिक बाजार लगाते आ रहे हैं। करीब 300 से अधिक लोग यहां दुकान लगाते हैं और हर माह नगर निगम को 300 रुपये प्रति दुकान के हिसाब से किराया भी देते रहे हैं। वर्ष 2004 में जिलाधिकारी ने यह जगह संडे बाजार बाजार लगाने के लिए तय की थी। लेकिन नगर निगम ने जनहित याचिका की सुनवाई के बाद पारित आदेश का हवाला देते हुए उन्हें वहां से हटा दिया। कुछ पहुंच वाले लोगों को नगर निगम ने अन्य जगह दुकान भी दे दी। याचिका में ये भी कहा गया था कि रविवार को देहरादून में बाजार की साप्ताहिक बंदी होती है और ट्रैफिक भी कम रहता है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एनसीपी नेता नवाब मलिक को राहत

नई दिल्ली , मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मलिक की ओर से पेश हुए वकील की दलीलों पर गौर किया कि मलिक कई बीमारियों से पीड़ित हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मलिक की मेडिकल जमानत बॉम्बे हाईकोर्ट में नियमित जमानत याचिका के निपटारे तक वैध रहेगी। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत देने का विरोध नहीं किया और कहा कि अंतरिम चिकित्सा जमानत को स्थायी किया जा सकता है। ईडी ने फरवरी 2022 में भगोड़े गैंगस्टर दाउद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मामले में मलिक को गिरफ्तार किया था। मलिक ने हाईकोर्ट से राहत मांगी थी और दावा किया था कि वह कई अन्य बीमारियों के अलावा क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित है। उन्होंने योग्यता के आधार पर जमानत भी मांगी थी।

आपदा की इस घड़ी में केंद्र राज्य सरकार प्रभावितों के साथ खड़ी : धामी

● मुख्यमंत्री ने प्रभावितों से बातचीत कर जाना उनका हाल-चाल ● सीएम ने आपदाग्रस्त गांव तिनगढ़ का किया स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को टिहरी के अस्थाई राहत शिविर राजकीय इंटर कॉलेज विनक खाल में प्रभावितों हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविर में बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, विकलांगों के लिए भी उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आपदा राहत शिविर में आपदा प्रभावितों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना तथा उनकी समस्यायें सुनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके द्वारा आपदा के दिन से ही लगातार स्थिति की जानकारी प्राप्त की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण प्राकृतिक आपदाएं हमेशा चुनौतियां बनकर आती हैं। इससे पूर्व तैयारी के साथ-साथ आपदा के समय सजगता और सतर्कता से कम से कम समय में आपदा पर काबू पाना जरूरी होता है, जिसका परिचय जिला प्रशासन ने दिखाया है। उन्होंने पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करने के जिला प्रशासन के प्रयासों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में भारत सरकार, राज्य सरकार प्रभावितों के साथ खड़ी है। तिनगढ़ गांव के विस्थापन की कार्रवाई शुरू हो गई है। अन्य गांव का सर्वे कर योजना बनाकर कार्य किया जाएगा। आपदा से क्षतिग्रस्त हुए सुरक्षा दीवार, स्कूल, पुल, तटबंध आदि कार्यों को शीघ्रता से किया जाएगा। आपदा सुरक्षा कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आएगी। उन्होंने आपदा के इस कठिन समय में धैर्य से एक दूसरे का सहयोग करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को खतरे की जद में आने वाले मकानों को लेकर सजग रहने के निर्देश दिए। आपदा की इस घड़ी में जनप्रतिनिधियों को भी हर संभव मदद करने को कहा। आपदा प्रभावितों को कोई दिक्कत न हो तथा उनके जन जीवन को पूर्व की भांति पटरी पर लाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि तिनगढ़ गांव के पुनर्वास/विस्थापन के लिए भूगर्भीय सर्वे कर लिया गया है, सैद्धान्तिक स्वीकृति मिल चुकी है। भूमि चिन्हीकरण की कार्यवाही की जा रही है। जमीन उपलब्धता के आधार पर धीरे-धीरे लोगों का पुनर्वास किया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम कोट के 28 परिवारों के विस्थापन की कार्यवाही गतिमान है।

दोषियों को बचा रहे नौकरशाह, पूरी रिपोर्ट सात दिनों में सौंपने को भेजा है पत्र-आतिशी

नई दिल्ली , दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया है कि ओल्ड राजेंद्र नगर में तीन छात्रों की मौत के मामले में दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है और ब्यूरोक्रेट्स जांच में लापरवाही कर रहे हैं। आतिशी का कहना है कि 27 जुलाई को रात 11:20 बजे, मैंने मुख्य सचिव को ओल्ड राजेंद्र नगर में तीन लोगों की मौत की घटना की मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने और 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। लेकिन 29 जुलाई को शाम 7:40 बजे, मुझे केवल संभागीय आयुक्त से घटना की रिपोर्ट मिली और बताया गया कि जांच में सात दिन और लगेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी दुखद घटना हुई है, लेकिन नौकरशाही मामले की जांच में ढिलाई बरत रही है।

इससे सवाल उठता है कि क्या दोषियों को बचाया जा रहा है। आतिशी ने जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से भेजी गई रिपोर्ट को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ये आरोप लगाए है। रिपोर्ट में घटना को विस्तार से बताया गया है। इसके मुताबिक 27 जुलाई को शाम 7:20 बजे एसडीएम (करोल बाग) को एक टेलीफोनिक सूचना प्राप्त हुई, इसमें बताया गया कि बारिश का पानी 11बी, बड़ा बाजार रोड, ओल्ड राजेंद्र नगर के राव आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में भर गया और कुछ छात्र वहां फंस गए। रिपोर्ट में बताया गया कि बेसमेंट में लगभग पांच छात्रों के फंसे होने और फायर सर्विस, पुलिस विभाग को सूचना दिए जाने की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही जे. आनंद कुमार, तहसीलदार/कार्यकारी मजिस्ट्रेट (करोल बाग) और हरीश, डीपीओ, डीडीएमए, रामानुजन, मुख्य वार्डन, नागरिक सुरक्षा और मनोज शर्मा, वार्डन, नागरिक सुरक्षा को घटनास्थल पर पहुंचने के लिए निर्देशित किया गया। तहसीलदार (करोल बाग) और डीपीओ, डीडीएमए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पाया कि बेसमेंट में पानी भर गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फायर कर्मी बेसमेंट से पानी बाहर निकालने के लिए पांच मोटर पंपों का उपयोग कर बचाव प्रयास कर रहे थे। बेसमेंट की ऊंचाई लगभग 15 फीट है और क्षेत्रफल लगभग 500 वर्ग मीटर था।

लैंड स्कैम में जेल में बंद झारखंड के निलंबित आईएएस छविरंजन को बेल देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

रांची , रांची के चर्चित लैंड स्कैम में जेल में बंद निलंबित आईएएस छवि रंजन को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। डिफॉल्ट बेल की मांग को लेकर दायर उनकी याचिका अदालत ने मंगलवार को खारिज कर दी। रांची के डीसी रहे छवि रंजन चार मई 2023 से जेल में बंद है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की कोर्ट में उनकी डिफॉल्ट बेल पर सुनवाई हुई। उनकी ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की, लेकिन अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। यह मामला रांची के चेशायर होम रोड स्थित भूखंड की खरीद–बिक्री में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है। इस मामले में उन्हें डिफॉल्ट बेल देने की याचिका रांची ईडी की स्पेशल कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट में पहले ही खारिज हो चुकी है। रांची के बड़गाईं अंचल में सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद–बिक्री के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित केस में छवि रंजन सहित दस आरोपियों के खिलाफ ईडी कोर्ट में 8 जुलाई को आरोप तय कर दिए गए हैं। छवि रंजन के अलावा जिन अन्य लोगों पर आरोप गठित किया गया है, उनमें कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, रिम्स का कर्मी अफसर अली, इम्तियाज अहमद, मो. सद्दाम हुसैन, तल्हा खान, फैयाज अहमद एवं कोलकाता के कारोबारी दिलीप घोष शामिल है।

बदरीनाथ हाईवे 20 घंटे बंद- केदारनाथ धाम का रूट डायवर्ट

केदारनाथ हाईवे कुंड पुल में बंद, रूट डायवर्ट

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम को जोड़ने वाले प्रमुख नेशनल हाईवे मंगलवार को बंद रहने के कारण यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बदरीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री हाईवे बंद होने से वाहन जहां–तहां फंसे रहे। सबसे ज्यादा बदरीनाथ नेशनल हाईवे 20 घंटे बंद रहा। जोशीमठ नगर से 15 किमी पहले लंगसी में सोमवार रात नौ बजे भूस्खलन के कारण बंद बदरीनाथ हाईवे बंद हो गया। मंगलवार शाम पांच बजे तक हाईवे पर आवाजाही सुचारू हो सकी। यहां पर भारी बोल्डर और मलबे से सड़क का लगभग 30 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। करीब 20 मीटर सड़क वाशआउट हो गई थी। दिनभर बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब के यात्री परेशान रहे। करीब एक हजार वाहन दोनों तरफ फंसे रहे। इस दौरान प्रशासन ने यात्रियों को पानी, बिस्किट बांटने की व्यवस्था की। इसके अलावा गुलाबकोटी में भी सड़क बंद हुई थी, जहां सुबह 10 बजे यातायात सुचारू कर दिया गया था।उधर, उत्तरकाशी जिले में हुई भारी बारिश के कारण यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर किसाला के पास छह घंटे बंद रहा। जबकि गंगोत्री हाईवे नेताला विशनपुर के पास दो घंटे बंद रहा। इस कारण राजमार्ग के दोनों ओर राहगीर जाम में फंसे रहे। आवाजाही सुचारू होने पर यात्रियों ने राहत की सांस ली।

केदारनाथ हाईवे कुंड पुल पर बंद हो गया है। यहां से केवल दोपहिया वाहन ही गुजारे जा रहे हैं। पुल की एक तरफ की बुनियाद क्षतिग्रस्त होने के कारण लोनिवि ने वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई है। वैकल्पिक मार्ग के तौर पर चुन्नी बैंड–कालीमठ–गुप्तकाशी मार्ग का उपयोग किया जा रहा है। यात्रियों को लंबा चक्कर काटना पड़ रहा है।

भारत का प्रदर्शन विश्व के लिए आदर्श, देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को विश्व के लिए आदर्श बताते हुए मंगलवार को कहा कि भारत महामारी के बाद तेजी से पुनः उच्च आर्थिक वृद्धि की राह पर लौट आया है तथा उनके वायदे के अनुसार, उनके तीसरे कार्यकाल में विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और भारत सधे हुये कदमों से इस ओर बढ़ रहा है और निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। मोदी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से बजट 2024–25 पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा, मैं जिस बिरादरी से आता हूं, उस बिरादरी की पहचान बन गई है कि चुनाव से पहले जो बातें करते हैं, वो चुनाव के बाद भुला देते हैं, लेकिन मैं उस बिरादरी में अपवाद हूं। इसलिए, मैं आपको याद दिलाता हूं कि मैंने कहा था कि मेरे तीसरे कार्यकाल में देश, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है।

सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने प्रधानमंत्री के स्वागत भाषण में कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प हुआ है और भारत को विश्व में एक नयी जगह मिली है और भारत आज दुनिया की सबसे तीव्र गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प में उद्योग जगत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुये, इस बजट में रोजगार प्रोत्साहन जैसी योजनाएं लाने के बारे में उद्योग जगत के सुझावों को शामिल किये जाने के प्रति प्रधानमंत्री का आभार जताया।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार जिस बड़े पैमाने और बड़ी रफ्तार से काम कर रही है वह अभूतपूर्व है तथा वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारत में जो आर्थिक वृद्धि दर और राजकोषीय संतुलन कायम रखा है, वह दुनिया के लिये एक आदर्श है। भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि में 16 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। उन्होंने कहा विश्वास जताया कि उनकी सरकार ने 10 वर्ष में जो सुधार किये हैं, वे अर्थव्यवस्था को विकसित भारत की तरफ ले जा रहे हैं और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

प्रधानमंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के प्रयास में सरकार के साथ न केवल कंधा से कंधा मिलकर काम करने बल्कि सरकार के साथ प्रतिस्पर्धा कर सरकार को पीछे छोडऩे का आह्वान किया। मोदी ने कहा, आज भारत आठ प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि कर रहा है, आज हम विकसित भारत की ओर प्रयाण की बात कर रहे है। वह दिन दूर नहीं, जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जायेगा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2014 में पहली बार सत्ता संभाली थी, तब प्रश्न था कि अर्थव्यवस्था को कैसे पटरी पर लायें। उससे पहले भारत को पांच दुर्बल अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और उस समय के सरकार के बड़े–बड़े घोटालों की चर्चा होती थी। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को महासंकट से उबारकर हम इस ऊंचाई पर लाये हैं। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार का आखिरी बजट 16 लाख करोड़ रुपये का था, आज वह तीन गुना होकर 48 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इसी तरह, 2004–14 के बीच पूंजीगत बजट सालाना 90 हजार करोड़ रुपये से दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, हमारी सरकार में कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) पांच गुना बढक़र इस बार के बजट में 11 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमने कर की दरों में रिकॉर्ड कटौती करने के बावजूद, रेलवे, सडक़ और अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिये पूंजीगत व्यय बढ़ाया है। उन्होंने कहा, बात केवल कर घटाने, पूंजीगत व्यय बढ़ाने की ही नहीं बल्कि सुशासन की भी है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में दुनिया की सबसे बड़ी महामारी का संकट आया। कई देशों में बड़ी लड़ाइयां छिड़ीं और देश में सूखा तूफान तथा भूकंप जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाएं आयीं।

संपादकीय

चुनौतियों का महा आयोजन

लाखों की तादाद में उमड़ रहे कांवड़ियों के सुरक्षा प्रबंधन की व्यवस्था करने के लिए एक बड़ा भारी तंत्र चाहिए और यदि थोड़ी सी भी कमी रह जाए तो फिर उसके परिणाम भी एक कड़वा अनुभव बनकर सामने आते हैं। महाशिवरात्रि से पूर्व हरिद्वार हर की पैड़ी से गंगाजल भरकर अपने क्षेत्र के मंदिरों पर पानी चढ़ाने की परंपरा वर्षों पुरानी है और आज इस यात्रा ने इतना विशाल रूप ले लिया है कि कई राज्यों को इसकी व्यवस्था के लिए अतिरिक्त प्रबंध करने पड़ते हैं। खास तौर से उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के लिए तो कावड़ यात्रा के दौरान सब कुछ मानो थम सा जाता है और पूरा राजमार्ग कांवड़ियों की संख्या के कारण सामान्य आवाजाही के लिए बंद करना पड़ता है। भगवान भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा का अलग-अलग अंदाज कांवड़ यात्रा में देखने को मिलता है तो वहीं कुछ ऐसी घटनाएं भी आवेश में आकर सामने आ जाती है जो यात्रा में शामिल होने वाले लोगों पर सवाल भी खड़े कर देती है। हालांकि इसके बावजूद श्रद्धा और भक्ति में कोई कमी नजर नहीं आती और ना ही राज्य सरकारें कांवड़ियों को अपनी पलकों पर बिठाने के लिए पीछे हटती है। उत्तराखंड सरकार ने भी इस बार कावड़ यात्रा का स्वागत काफी गर्मजोशी से किया जिसके तहत उन पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई, इस स्वागत से हरकी पैड़ी पर कावंड़ यात्री उत्साहित नजर आए। निश्चित तौर पर कावड़ यात्रा का अपना पौराणिक महत्व है और इस यात्रा में शामिल होने वाले अपनी भक्ति को जिस अंदाज में प्रस्तुत करते हैं वह भी कई बार आश्चर्य में डाल देता है। कावड़ यात्रा के दौरान हर बार कुछ घटनाएं हिंसा की सामने आती हैं लिहाजा ऐसी ही घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाता है लेकिन यह भी देखने को मिला है कि अपनी आंखों के सामने भी तोड़फोड़ होते देखने के बावजूद सुरक्षा कर्मी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं। निश्चित तौर पर तोड़फोड़ और उन्माद की इस प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए और यह जिम्मेदारी स्वयं उन कांवड़ियों की है जो भगवान भोले के नाम पर लंबी कठिन यात्रा के लिए निकलते हैं। धैर्य एवं भक्ति का समावेश करते हुए कांवरियों को शांत मन से अपनी यात्रा पूरी करनी चाहिए और ऐसी हरकतें नहीं करनी चाहिए जिससे पूरी यात्रा निशाने पर खड़ी हो। इस महा आयोजन की व्यवस्था करने वाली राज्य सरकारें भी बधाई की पात्र है जो आपसी समन्वय से इस पूरे आयोजन का ताना-बाना तैयार करते हैं और हर कांवड़िए की सुरक्षा को लेकर सजग रहते हैं।

दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया

डॉ. दिलीप चौबे

भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में आजकल काफी चर्चा है। गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले चार वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तैनाती जारी रही तथा कूटनीतिक नोकझोंक भी चलती रही। विवाद के कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई।

बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नई सरकार देश में रोजगार सृजन और उत्पादन गतिविधियां बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। इसमें चीन की भूमिका हो सकती है। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संकेत दिया है कि भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव कहा जा सकता है। वह घरेलू और विदेशी मोर्चे पर नई परिस्थितियों का तकाजा भी हो सकता है।

रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था।

संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। बहुत संभव है कि शिखर वार्ता के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देश सीमाओं से सैनिक पीछे हटाने का फैसला कर लें। यदि ऐसा होता है तो शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर यात्रा के अगले चरण में जापान में क्वाड विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। क्वाड की ऐसी बैठक काफी समय बाद हो रही है। कारण स्पष्ट है। अमेरिका और क्वाड के अन्य सदस्यगण यह जानते हैं कि चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में भारत इसमें भागीदार नहीं बनेगा। विकल्प के रूप में अमेरिका ने ऑक्स (आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका) के रूप में नया गुट तैयार किया है। इसी के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया जा रहा है। जापान के प्रधानमंत्री फुजियो किशिदा तो एशिया में सैन्य संगठन नाटो जैसी सुरक्षा व्यवस्था कायम किए जाने के हिमायती हैं।

> रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था।

कुछ दिन पहले रूस और चीन के बमवर्षक युद्ध विमानों ने अमेरिका के अलास्का प्रांत के पास उड़ान भरी। इन पर निगरानी रखने के लिए अमेरिका और कनाडा के युद्धक विमानों ने भी उड़ान भरी। यह घटनाक्रम अमेरिका के खिलाफ रूस और चीन की सैन्य लामबंदी का द्योतक है। हाल में रूस ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता किया है जो दक्षिण कोरिया और जापान के लिए सीधी चुनौती है।

एशिया में बदलते हुए इस परिदृश्य ने भारत की विदेश नीति के सामने बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच खटास आने से इसमें एक नया आयाम जुड़ गया है। यह विडंबना है कि ऐसा उस समय हो रहा है जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदारी में भारतीय मूल की कमला हैरिस अग्रणी है। अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। यह द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सहायक सिद्ध होगा।

डिजिटल एडिक्शन की लत घातक

देश के प्रत्येक नागरिक को मुफ्त इंटरनेट का अधिकार देने वाले निजी विधेयक पर विचार की मंजूरी सरकार ने दी है। पिछड़े व दूरदराज के क्षेत्रों के वासियों तक इंटरनेट सुविधाओं के लिए किसी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान नहीं करना होगा। राज्य सभा में यह विधेयक पहले ही पेश किया जा चुका है। दूरसंचार मंत्री के अनुसार राष्ट्रपति ने विधेयक पर विचार करने की सिफारिश की है। देश के पिछड़े व दूर-दराज के रहवासियों को समान रूप से इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के यह विशेष उपाय सरकार करेगी। डिजिटल विभाजन को पाटना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी नागरिकों का मौलिक अधिकार है। इसलिए उन्हें इंटरनेट का प्रयोग करने की सुविधा होना सकारात्मक सोच है। फोर्ब्स के अनुसार भारत में 2024 के शुरुआती दिनों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले पूरी आबादी का 52 फीसद से अधिक हो चुके हैं। 36 फीसद ग्रामीण डिजिटल पेमेंट का प्रयोग कर रहे हैं। जो तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। बिजली कटौती में आ रही कमी और नौजवानों की बढ़ती आबादी भी इसकी बुनियाद में है। तकनीक ने रोजमर्रा के जीवन में अपनी अहमियत तेजी से बढ़ाई है। शिक्षितों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है, जिसके चलते लोग स्मार्ट फोन, कंप्यूटर व अन्य डिवाइसों का इस्तेमाल करना सीख रहे हैं। मुफ्त इंटरनेट देने का सरकार फैसला सकारात्मक कहा जा सकता है। मगर यह ख्याल भी रखना जरूरी है कि जनता नेट में खोज क्या रही है? आम भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल पढाई, जानकारी या सूचनाओं को एकत्र करने की अपेक्षा मनोरंजन, सेक्सुअल कंटेंट व अनावश्यक चीजों के लिए अधिक करता है। गूगल द्वारा प्रयोगकर्ताओं की सालाना की गई खोजों की सूची में भारतीय वर्षो से पोर्न क्लिप की खोज में अव्वल आते हैं। मुफ्त इंटरनेट का प्रयोग यदि इसी तरह किया जाता रहा तो समाज में व्यभिचार बढने् की आशंका हो सकती है। इसमें खास तरह का फिल्टर लगाना भी उचित नहीं कहा जा सकता। निःसंदेह ये सेवाएं सरकार किसी निजी संचार सेवा से लेगी, जिसका भुगतान करने में मोटी राशि खर्च की जाएगी। अच्छा विचार होने के बावजूद इंटरनेट मुफ्त देने से डिजिटल एडिक्शन की लत घातक हो सकती है। हां, इसे कुछ अवधि के लिए मुफ्त किया जाना चाहिए था।

नशे के विरुद्ध जन-अभियान

भारत डोगरा

हाल के समय में सामाजिक समस्याओं में वृद्धि का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि विभिन्न तरह के नशों में वृद्धि हो रही है। शराब और गुटखे में वृद्धि बहुत तेजी से हुई है। अनेक तरह के ड्रग्स का चलन भी तेजी से बढ़ा है।विभिन्न तरह के नशे क्यों बढ़े हैं, इस पर अनेक तरह के विचार मिलते हैं पर एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि शराब के विरुद्ध जो एक बड़ा माहौल हमारे समाज में था, इसमें बहुत गिरावट आई है। चाहे शराब का उपयोग कितने भी समय से हो रहा हो, पर कुछ दशक पहले तक इसे बहुत बुरा माना जाता था और नैतिक स्तर पर यह मान्यता बहुत मजबूत थी। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी इस नैतिक सोच को प्राप्त किया जाता था। पर धीरे-धीरे शराब के विरुद्ध इस सामाजिक मान्यता में कमी आने लगी और फिर बाद में तो यह प्रवृत्ति बहुत तेज हो गई। यह केवल समाज और अर्थव्यवस्था में आ रहे बदलावों के कारण नहीं हुआ अपितु योजनाबद्ध ढंग से भी इस माहौल को बदला गया।एक मिथक जो दुनिया भर में फैलाई गई कि कम मात्रा में शराब पीने से नुकसान नहीं है, जबकि वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि कम मात्रा में शराब पीने से भी कुछ हानि अवश्य होती है। फिर एक मिथक यह फैलाई गई कि वाईन या रेड वाईन से क्षति नहीं होती है। इस मिथक के फैलने से कितने ही लोगों ने नियमित रेड वाईन पीना आरंभ कर दिया जबकि बाद में स्पष्ट हो गया कि इस कारण उन्होंने अनेक गंभीर समस्याओं को आमंत्रित किया है। इसी तरह कभी सिगरेट तो कभी बीड़ी, सभी तंबाकू के विभिन्न रूपों तथा सभी गुटखे के दुष्परिणामों को कम करके बताया गया। एक अन्य मिथक फैलाया गया कि शराब की लत लग जाने पर इसे छोडऩा लगभग असंभव है जबकि आंकड़े बताते हैं कि प्रति वर्ष लाखों लोग मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर भी शराब छोड़ते हैं। यदि समाज में एक निरंतरता से अभियान नशे के विरुद्ध चलाया जाए तो यह संभावना और बढ़ जाएगी।तरह-तरह के नशे करोड़ों लोगों का जीवन क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। सभी तरह के नशे के विरुद्ध समग्र अभियान की जरूरत है। वैसे तो सभी तरह के नशे बुरे हैं, पर सब से अधिक बरबादी शराब से हो रही है। इस बारे में विश्व स्तर के आंकड़े डराने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की शराब और स्वास्थ्य स्टेटस रिपोर्ट (2018) के अनुसार विश्व में 2016 में शराब से 30 लाख मौतें हुई। 2016 में शराब के कारण हुई मौतों में से 28.7 प्रतिशत चोटों के कारण हुई, 21.3 प्रतिशत पाचन रोगों के कारण हुई, 19 प्रतिशत हृदय रोगों के कारण हुई, 12.9 प्रतिशत संक्रमक रोगों से हुई और 12.6 प्रतिशत कैंसर से हुई। 20 से 29 आयु वर्ग में होने वाली मौतों में से 13.5 प्रतिशत शराब के कारण होती हैं। सडक़ दुर्घटनाओं में शराब के कारण 2016 में 3700 मौतें हुई। इनमें से 187000 ऐसे व्यक्ति थे जो स्वयं गाड़ी नहीं चला रहे थे। शराब के कारण इस वर्ष 1500 आत्महत्याएं हुई और 900 मौतें आपसी हिंसा में हुई। कम समय में अधिक पी लेने से कोमा में आने और मृत्यु तक का परिणाम हो सकता है। इस रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि 200 तरह की बीमारियों और चोटों में शराब का हानिकारक उपयोग एक बड़ा कारण है। लिवर सिरहोसिस और अनेक तरह के कैंसर में शराब महत्त्वपूर्ण कारण है। पहले अधिक शराब पीने को ही मस्तिष्क की क्षति, याद रखने की क्षमता पर प्रतिकूल असर और डिमेनशिया से जोड़ा जाता था पर अब ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नये अनुसंधान (ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित) से पता चलता है कि अपेक्षाकृत कम शराब पीने से भी मस्तिष्क की ऐसी क्षति होती है।यह तो सब जानते हैं कि शराब स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, पर शराब उद्योग यह मिथक फैलाने के लिए प्रयासरत रहा है कि थोड़ी सी शराब पीने से नुकसान नहीं होता। यह केवल मिथक ही है। सच्चाई हाल के अध्ययन में सामने आई है जो प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लांसेट' में प्रकाशित हुआ। लगभग 500 विशेषज्ञों के समूह के मुख्य लेखक मैक्स ग्रिसवोल्ड ने इस अध्ययन के निष्कर्ष के बारे में बताया है, एल्कोहल की कोई ऐसी सुरक्षित मात्रा नहीं है (न्यूनतम मात्रा से भी नुकसान होता है)।आगे जैसे-जैसे एल्कोहल का प्रति दिन का उपयोग बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे स्वास्थ्य के खतरे भी बढ़ते जाते हैं। नशीली दवाओं, एल्कोहल और एडिक्टिव बिहेवियर के विकोष के अनुसार मौत होने वाली सडक़ दुर्घटनाओं में से 44 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका पाई गई है। दुर्घटना में मरने वाले 50 प्रतिशत तक मोटरसाइकिल चालकों के शराब के नशे में होने की संभावना पाई गई है। इस विकोष के अनुसार घर में होने वाली दुर्घटनाओं में 23 से 30 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका होती है। आग लगने और जलने से मौत होने की 46 प्रतिशत दुर्घटनाओं में एल्कोहल की भूमिका होती है। यदि शराब न पिए हुए व्यक्ति से तुलना करें तो शराब पीने के बाद किसी व्यक्ति में आत्महत्या का खतरा सात गुणा बढ़ जाता है और अधिक मात्रा में शराब पीने के बाद यह खतरा 37 गुणा बढ़ जाता है (बोज्रे का अध्ययन, 2017)। एल्कोहल उपयोग डिसऑर्डर के कारण अवसाद की संभावना कम से कम दोगुना बढ़ जाती है। कुछ वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट तैयार करवाई थी जिसे हिंसा और स्वास्थ्य पर विश्व रिपोर्ट का शीषर्क दिया गया था। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि डिप्रेशन या अवसाद के लिए भी एल्कोहल एक महत्त्वपूर्ण कारक है। रिपोर्ट के अनुसार एल्कोहल और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की आत्महत्या में भी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

विजय एंटनी की काव्यात्मक एक्शन फिल्म तूफान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

विजय मिल्टन द्वारा निर्देशित विजय एंटनी की अगली फिल्म तूफ़ान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। कुछ दिन पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर में निर्माताओं ने कहा था कि फ़िल्म जुलाई में रिलीज़ होगी, लेकिन तारीख़ नहीं बताई। अब 2 अगस्त को रिलीज़ होने की पुष्टि हो गई है।कमल बोरा, डी. ललिता, बी. प्रदीप और पंकज बोरा इस फ़िल्म को इनफिनिटी फ़िल्म वेंचर्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह कंपनी इससे पहले राघवन और विजय एंटनी अभिनीत हथिया का निर्माण कर चुकी है। निर्देशक विजय मिल्टन काव्यात्मक एक्शन एंटरटेनर शैली में फ़िल्म तूफ़ान बना रहे हैं।निर्माताओं ने घोषणा की है कि वे 2 अगस्त को दुनिया भर में फिल्म तूफ़ान को एक भव्य थिएटर रिलीज़ के लिए ला रहे हैं। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसने उस समाज का भविष्य बदल दिया जो उसे नीची नजऱ से देखता था। फिल्म एक द्वीप पर आधारित है, और इसकी शूटिंग अंडमान और दीव दमन में की गई थी। फिल्म तूफ़ान से रिलीज़ हुए गानों और ट्रेलर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

फिल्म के कलाकारों में मेघा आकाश, दाली धनंजय, मुरली शर्मा, पृथ्वी अंबर, थलाइवासल विजय और सरन्या पोनवन्नन प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

बॉक्स ऑफिस पर धनुष की रायन ने मचाया तहलका, अपनी ही फिल्म का तोड़ा रिकॉर्ड

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार धनुष की जबरदस्त एक्शन फिल्म रायन सिनेमाघरों में रिलीज होते ही चर्चा में आ गई। फिल्म को लेकर लोगों के बीच काफी समय से बज बना हुआ था। वहीं 100 करोड़ के बजट में बनी इस साउथ फिल्म में धनुष ने अपने खतरनाक एक्शन अवतार से एक बार फिर अपने फैंस का दिल जीत लिया है। बतौर डायरेक्टर और लीड एक्टर बन धनुष एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर छा गए हैं। फिल्म को दर्शकों से बहुत ही बेहतरीन रिव्यू मिल रहे हैं। इसी बीच फिल्म रायन के दूसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी सामने आ चुका है। वहीं दूसरे दिन धनुष ने अपनी ही दूसरी फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। धनुष की एक्शन ड्रामा फिल्म रायन में रोमांस, एक्शन और सस्पेंस को साथ में दर्शकों के सामने बहुत ही अच्छे से पेशा किया है। बता दें कि यह फिल्म एक्टर के द्वारा निर्देशित की गई दूसरी सुपरहिट फिल्मों में से एक है। वही फिल्म की कहानी, सीन्स से लेकर इसकी दमदार स्टार कास्ट भी सोशल मीडिया पर चर्चा में है।

स्मृति मंधाना को मिला बेहतरीन बल्लेबाजी का ईनाम

नई दिल्ली। हाल ही में खत्म हुए महिला एशिया कप में दमदार खेल दिखाने वाली भारत और श्रीलंका की खिलाड़ियों को आईसीसी की ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। इसमें सबसे ज्यादा फायदा भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को हुआ है। मंधाना ने टी20 में अपने करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल कर ली है।वहीं, अपनी कप्तानी में श्रीलंका को एशिया कप-2024 का पहला खिताब दिलाने वाली चमारी अट्टापट्टू ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है। वह तीन स्थान आगे बढ़ते हुए छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। ये उनके करियर की बेस्ट रैंकिंग है। मंधाना एक स्थान आगे बढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं।

रेणुका सिंह की टॉप-10 में एंट्री

वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत की रेणुका सिंह को फायदा हुआ है। वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप-10 में आगे बढ़ गई हैं।रेणुका चार स्थान की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर आ गई हैं। उन्होंने एशिया कप में सात विकेट लिए थे। वहीं भारत की एक और गेंदबाज राधा यादव को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। वह सात स्थान आगे बढ़ते हुए 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका की उदेशिका प्रबोधनी छह स्थान आगे बढ़ते हुए 24वें नंबर पर आ गई हैं। सुगंदिका कुमारी चार स्थान आगे बढ़ते हुए 27वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

मूनी, एकल्सटन का जलवा

वहीं टी20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग में बेथ मूनी पहले नंबर पर काबिज हैं। दूसरे नंबर पर उनके ही देश ऑस्ट्रेलिया की ताहिला मैक्ग्रा हैं। तीसरे पर वेस्टइंडीज की हैले मैथ्यूज हैं। गेंदबाजों में इंग्लैंड की सोफी एक्लस्टन पहले नंबर पर हैं। सराहा ग्लेन दूसरे नंबर पर काबिज हैं। भारत की दीप्ति शर्मा ने अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है। पाकिस्तान की सादिया इकबाल चौथे नंबर पर हैं।

शर्लिन चोपड़ा ने ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा को फॉलो करने वाले जानते हैं कि वो अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए कितनी फेमस हैं. हाल ही में उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो वायरल हो रहीं.

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ग्लैरमस एक्ट्रेस हैं और वो खुलकर बोलती हैं कि अगर इंडस्ट्री में टिकना है तो उन्हें ऐसा अंदाज रखना होगा. हाल ही में उनकी ब्लू ड्रेस वाली तस्वीरें आईं जिसे फैंस पसंद कर रहे हैं.

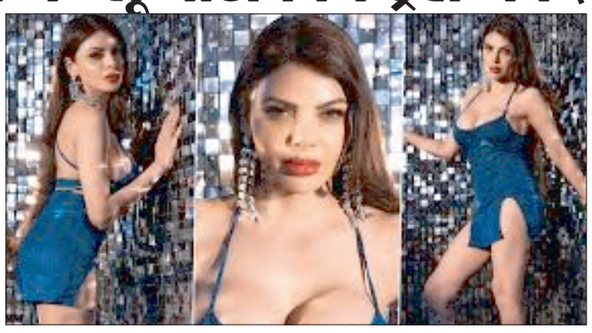

40 वर्षीय एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक अंदाज और बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें देख फैंस आहें भरने लगते हैं. शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. ब्लू रंग की वन पीस ड्रेस में शर्लिन बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं. उनके इसी अंदाज के तो फैंस दीवाने हैं. तस्वीरें शेयर करते हुए शर्लिन चोपड़ा ने लिखा, उसकी आंखे खुद के शब्दाकोष बनाती हैं...सीखने के लिए कितनी सुंदर भाषा है. इसके साथ ही शर्लिन चोपड़ा ने अलग-अलग पोज में कई तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों पर फैंस के एक से बढक़र एक कमेंट्स भी कर रहे हैं.

इंस्टाग्राम पर शर्लिन चोपड़ा के 16 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं. यहां शर्लिन अक्सर ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो शर्लिन चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी. बाद में शर्लिन को बॉलीवुड फिल्मों में काम करने का मौका मिला. शर्लिन चोपड़ा ने अब तक कामसूत्रा, रेड स्वास्तिक, वजह तुम हो, नॉटी बॉय, टाइम पास, जवानी दीवानी, रकीब और गेम जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं.

मनु भाकर ने रच दिया इतिहास, एक ही ओलंपिक में 2 मेडल जीतने वाली बनी पहली भारतीय

पेरिस, पेरिस ओलंपिक 2024 के चौथे दिन मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए भारत को उसका दूसरा मेडल दिला दिया है. मनु और सरबजोत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिपब्लिक ऑफ कोरिया की जोड़ी को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है. मनु ने इससे पहले शूटिंग में ही भारत को पहला मेडल जिताया था. ऐसे में वह भारत के लिए एक ही ओलंपिक में 2 मेडल जीतने वाली पहली महिला एथलीट बन गई हैं.

भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में अपना लोहा मनवा दिया है. वुमन 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद अब उन्होंने मिक्सड डबल्स में भी मेडल जीत लिया है. इसी के साथ मनु ने इतिहास रच दिया. आजादी के बाद वह एक ही ओलंपिक में भारत के लिए 2 मेडल जीतने वाली भारत की पहली एथलीट बन गई हैं.

टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने ओलंपिक में रचा इतिहास, आज तक नहीं कर सका कोई ऐसा

पेरिस, पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पैडलर मनिका बत्रा ने टेबल टेनिस में राउंड ऑफ 16 में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है. मनिका ओलंपिक इतिहास में इस मुकाम तक पहुंचने वाली भारत की पहली टेबल टेनिस प्लेयर बन गई हैं. जी हां, मनिका से पहले आज तक कोई भी टेबल टेनिस प्लेयर राउंड ऑफ 16 तक नहीं पहुच सका है.

ऐसे में मनिका ने अपना नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों से दर्ज करा दिया है. अब बस हर भारतीय अपनी इस स्टार से यही उम्मीद कर रहा है कि वह इसी तरह शानदार प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ें और मेडल लेकर घर वापसी करें...

मनिका बत्रा का सामना राउंड ऑफ 32 में फ्रेंच पैडलर पृथिका पवाड़ से हुआ. मनिका ने पृथिका को उस मैच में क्लीन स्वीप कर राउंड ऑफ 16 में जगह पक्की की. मैच की बात करें, तो मनिका के लिए शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी. पहले गेम में वह 2 अंक से पिछड़ रहीं थीं, लेकिन फिर उन्होंने कमाल की वापसी की और पहला गेम 11-9 से जीता. फिर दूसरे गेम को 11-6, तीसरे गेम को 11-9 और चौथा गेम 11-7 से जीत लिया. इसी के साथ उन्होंने इस मैच में विपक्षी खिलाड़ी पृथिका को क्लीन स्वीप कर दिया.

मनिका बत्रा ने अभी मेडल नहीं जीता है और नया रिकॉर्ड बना लिया है. जी हां, ओलंपिक इतिहास में राउंड ऑफ 16 में पहुंचने वाली पहली भारतीय प्लेयर बन गई हैं. आज तक कोई भी भारतीय इस स्तर तक नहीं पहुंच सका. मनिका से पहले ये रिकॉर्ड शतक कमल के नाम दर्ज था. वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में मेन्स सिंगल्स में 32 के राउंड तक पहुंचे थे. बताते चलें, पेरिस ओलंपिक 2024 में मनिका बत्रा ने राउंड ऑफ 64 में ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्से को हराया था.

एक नजर

नालियों में कूड़ा करकट न डाले

श्रीनगर : जलभराव की स्थिति को देखते हुए मंगलवार को नगर निगम ने नालियों की सफाई की। सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि नगर आयुक्त नूपुर वर्मा के निर्देश पर निगम द्वारा नगर क्षेत्र के वार्ड नं. 6 कंसमर्दनी मार्ग, वार्ड नं. 10 कमलेश्वर मंदिर मार्ग, वार्ड नं. 11 भक्तियाना, वार्ड नं. 2 लिंगवाल गली, श्रीकोट एवं वार्ड नं. 1 में नालियों की सफाई की गई। पंवार ने बताया कि जारी सफाई अभियान का मौके पर नगर आयुक्त व सह नगर आयुक्त द्वारा निरीक्षण भी किया गया। कहा कि बरसात के मौसम में नालियों में कूड़ा करकट न रहे और जल भराव की स्थिति पैदा न हो इसके लिए निगम द्वारा नालियों की सफाई लगातार की जारी है। (एजेंसी)

सुरक्षा दीवार बनाने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर के उफल्डा में पहाड़ी से लगातार मलबा एनएच में जमा होने पर व्यापार सभा अध्यक्ष डांग सौरभ पांडेय ने एनएच विभाग के एई को ज्ञापन दिया है। कहा कि एनएच पर मलबा आने से आते जाते राहगिरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और भविष्य में बड़ा खतरा हो सकता है। उन्होंने जल्द एनएच विभाग से नाली के मरम्मतीकरण कर पहाड़ी से गिर रहे मलबे की रोकने के लिए सुरक्षा दीवार लगाए जाने की मांग की। मौके पर विनय घिल्डियाल मौजूद रहे। (एजेंसी)

विधायक ने किया संघ भवन का उदघाटन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल सेवानिवृत्त कर्मचारी समिति के नवनिर्मित भवन सभागार का उदघाटन हो गया है। मंगलवार को मुख्य अतिथि विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने सभागार का उदघाटन किया। पूर्व सांसद तीरथ सिंह रावत व विधायक निधि से करीब 20 लाख की लागत से बने इस भवन को सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए बनाया गया है। विधायक राजकुमार पोरी ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए समिति को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। कहा कि वह पौड़ी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष विक्रम सिंह राणा, सचिव सुरेश चंद्र बड़थ्वाल, संयोजक जवाहर सिंह नेगी, जसपाल रावत, पुष्कर रावत आदि शामिल थे।

पंचायत प्रतिनिधियों ने थौलधार मुख्यालय में की तालाबंदी

नई टिहरी : प्रधान संगठन टिहरी गढ़वाल के जिलाध्यक्ष रविन्द्र सिंह राणा के नेतृत्व में पंचायत प्रतिनिधियों ने मंगलवार को त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन किया। पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि प्रदेश के 12 जनपदों के त्रिस्तरीय पंचायतों की कार्यकाल बढ़ाने की मांग पर सरकार गौर नहीं कर रही है।

मंगलवार को थौलधार में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वे यदि मांग न मानी तो पंचायतीराज निदेशालय देहरादून में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। मांग है की पंचायत प्रतिनिधियों के कोरोना काल में प्रभावित दो वर्ष के कार्यकाल को बढ़ाकर सरकार एक राज्य एक पंचायत चुनाव का सपना साकार करे। जिलाध्यक्ष राणा ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा अध्यादेश लाकर अपने प्रदेश के पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल पूर्व में ही छह माह बढ़ा चुकी है। तो दूसरी ओर राजस्थान देश में पहला ऐसा राज्य बन चुका है। जिसने एक राज्य-एक पंचायत चुनाव की ओर सर्वप्रथम कदम बढ़ाया है।

प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा, बुद्धि आर्य, मुकेश रावत, गब्बर सिंह नेगी, ओमप्रकाश बधानी, अनिल भट्ट, विनोद भट्ट, जगमोहन, सुभाष सैलवान, सुमेर सिंह राणा, बीरेंद्र अग्निहोत्री, बीना नेगी, विषला देवी, पुष्पा जुयाल, राबिया बानू, मालती भंडारी, ललिता देवी, संगीता रावत ,गीता देवी, विजयलक्ष्मी, जयपाल चौहान आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री के भ्रमण को बताया औपचारिकता

नई टिहरी : जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राणा ने कहा कि सीएम धामी का आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण मात्र औपचारिकता भर रहा। आपदा प्रभावितों को सीएम ने कोई बड़ी राहत नहीं दी। राहत शिविरों में प्रभावितों को तमाम तरह की परेशानी उठानी पड़ रही है।

प्रभावित ग्रामीणों के मवेशी आवारा बनकर घूम रहे हैं। रास्ते बंद होने के कारण बूढ़ाकेदार, पिनस्वाड़, कोटी व विशन के लोग तमाम जरूरत की चीजों के लिए परेशान हैं। राहत शिविरों में लोगों के पास बदलने को कपड़ नहीं हैं। तमाम परेशानियों के बावजूद सीएम मात्र मदद का भरोसा देकर निकल पड़े। (एजेंसी)

गोखले मार्ग पर सख्ती, मुख्य सड़कों पर रेहड़ी-ठेली का कब्जा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गोखले मार्ग में सख्ती के बाद रेहड़ी-ठेली वालों ने पटेल मार्ग सहित शहर की अन्य मुख्य सड़कों को अपना नया ठिकाना बना दिया है। नतीजा, गोखले मार्ग के बाद अब पटेल मार्ग के साथ ही मुख्य सड़कों पर भी अव्यवस्थाएं होने लगी हैं। जगह-जगह खड़ी रेहड़ी ठेलियों के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है। तमाम प्रयासों के बाद भी सरकारी सिस्टम रेहड़ी-ठेली वालों के लिए स्थाई जगह चिह्नित नहीं कर पा रहा है।

कोटद्वार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़ी रेहड़ी ठेली

शहर की यातायात सहित अन्य व्यवस्थाओं में रेहड़ी-ठेली सबसे अधिक बाधा बन रही है। अतिक्रमण के लिए नासूर बन चुके गोखले मार्ग को साफ करवाने के लिए कुछ सप्ताह पूर्व ही निगम ने रेहड़ी-ठेली वालों को वहां से हटने की चेतावनी दी थी। हालांकि, वर्तमान में गोखले मार्ग कुछ हद तक अतिक्रमण मुक्त हो चुका है। लेकिन, वहां से हटाए गए रेहड़ी-ठेली वालों ने पटेल मार्ग को अपना नया ठिकाना बना दिया है। नतीजा, पटेल मार्ग अब दूसरा गोखले मार्ग का रूप लेने लगा है। मार्ग के दोनों ओर खड़ी रेहड़ी-ठेली के कारण अव्यवस्थाएं बनी हुई हैं। वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त मार्ग नहीं मिलने के कारण कई बार विवाद भी हो रहा है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि रेहड़ी-ठेली वालों से तहबाजारी वसूलने वाला नगर निगम आज तक इनके लिए कोई स्थाई व्यवस्था नहीं कर पाया है।

परवान नहीं चढ़ रही योजना

क्षेत्रवासियों की मांग पर गत वर्ष नगर निगम प्रशासन की ओर से गाड़ीपड़ाव का समतलीकरण कर वहां टिन शेड डालकर 70 फड़ बनाने का प्रस्ताव बोर्ड बैठक में पारित किया गया था। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद नगर निगम प्रशासन की ओर से पिछले वर्ष अक्टूबर माह में 18 लाख की लागत से गाड़ीपड़ाव में समतलीकरण का कार्य और फड लागने का काम शुरू किया गया।

समतलीकरण कार्य के बाद वहां पर पक्का फर्श भी डाला गया। लेकिन, आज तक फड़ नहीं बनाई जा सकी। सूत्रों की मानें तो राजनैतिक दबाव के चलते नगर निगम इस जगह को सब्जी मंडी में विकसित नहीं कर पा रहा है।

डेंगू से जंग की तैयारी, आमजन को करेंगे जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से जंग की तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए आमजन को जागरूक भी किया गया जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य विभाग नगर निगम कर्मचारियों एवं फील्ड वर्कर्स के साथ वर्कशॉप आयोजित करेगा। कोटद्वार एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू और इसके अलावा जलजनित बीमारियों में चिकनगुनिया, मलेरिया आदि से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने माइक्रो प्लान तैयार किया है। इस माइक्रो प्लान में अगस्त के पहले हफ्ते में होने वाली वर्कशॉप को भी शामिल किया गया है। दो चरणों में होने वाली वर्कशॉप के पहले चरण में स्वास्थ्य विभाग के मेडिकल अफसर और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को तकनीकी जानकारी दी जाएगी। दूसरे चरण में अलग-अलग वर्ग के लोगों के बीच रहकर दायित्व निर्वाह करने वाले कर्मचारियों को डेंगू से बचाव के बारीकियों को बताया जाएगा। दूसरे चरण का प्रशिक्षण पाने वालों में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी आशाएं और नगर निगम के कर्मचारी शामिल होंगे। डेंगू प्रतिरक्षण अभियान के नोडल अधिकारी एवं एसीएमओ डॉ. एसडी बर्मन ने बताया कि माइक्रो प्लान तैयार कर लिया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी से चर्चा कर इस पर मजबूती से काम किया जाएगा। डेंगू नियंत्रण के साथ गुणवत्ता विकास पर भी जोर रहेगा।

हालांकि डेंगू मरीजों के उपचार के लिए भी कमर कस ली है, लेकिन आमजन की जागरूकता डेंगू नियंत्रण में बड़ी भूमिका निभा सकती है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि जल्दी ही वर्कशॉप होगी।

मांगों को लेकर ग्राम प्रधानों ने ब्लॉक कार्यालयों में तालाबंदी की

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : ग्राम प्रधान संगठन ने पंचायतों का कार्यकाल दो साल और बढ़ाने की मांग को लेकर ब्लॉक मुख्यालय कार्यालय में तालाबंदी की। संगठन ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर जल्द उग्र आंदोलन किया जाएगा।मंगलवार को ब्लॉक कार्यालय में तालेबंदी करते हुए ग्राम प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष कमल रावत, ब्लॉक प्रमुख दीपक खुकसाल ने कहा कि वर्ष 2019 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद दो साल तक कोरोना महामारी का प्रकोप रहा, जिसमें 2 साल तक कोविड के चलते सामान्य बैठक तक नहीं हो पाई। कहा कि प्रदेश के 12 जिलों के त्रिस्तरीय पंचायत के दो वर्ष का कार्यकाल बढ़ाया जाना ऐक्ट के अनुरूप है। इस कार्यकाल के बढ़ने से भविष्य में होने वाले हरिद्वार के चुनाव भी सभी पंचायतों के चुनाव के साथ हो सकेंगे। कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव के फार्मूले को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री भी अडिग हैं, लेकिन प्रदेश में एक राज्य एक पंचायत चुनाव राज्य बनने के 23 साल बाद भी संभव नहीं हो पाया, इसलिए एक राज्य एक पंचायत चुनाव को लेकर हरिद्वार को छोड़कर शेष पंचायतों का कार्यकाल 2 वर्ष बढ़ाया जाना लाजमी है। उन्होंने सरकार से ग्राम पंचायत का कार्यकाल 2 साल बढ़ाए जाने की मांग उठाई। इस मौके पर ग्राम प्रधान हिम्मत सिंह, हरिमोहन जुयाल, रविंद्र राणा, शंकर सिंह, नूतन रावत, राकेश रावत, उषा देवी, पूनम देवी आदि शामिल रहे।

कोटद्वार यंग ने जीता फुटबॉल का फाइनल मुकाबला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विजय दिवस पर आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का मंगलवार को फाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें कोटद्वार यंग की टीम ने 2-0 से प्रतियोगिता अपने नाम की।

फाइनल मुकाबला कोटद्वार यंग व स्टेडियम ट्रेनीज गाड़ीघाट के बीच खेला गया। दिनेश कुमार के दो गोल की बदौलत कोटद्वार यंग ने 2-0 से प्रतियोगिता अपने नाम की। समाज सेवी सुनील रावत, खेल संघ के संरक्षक धीरेंद्र कंडारी ने युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि आज खेल के क्षेत्र में कई युवा अपने देश का नाम रोशन कर रहे हैं। पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत ने विजेता टीम को ट्राफी व चेक प्रदान किया। इस मौके पर इंदु रावत, ऋतिका नेगी, मयंक रावत, अरमान अली आदि मौजूद रहे।

प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में पीयूष, अनुरोध व सिमरन का ग्रुप रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय रसायन विज्ञान के जनक सर आचार्य प्रफल्ल चंद राय की स्मृति में आयोजित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में पीयूष, अनुरोध व सिमरन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में युवा विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती व उप प्रधानाचार्य अनिल कोटनाला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

विज्ञान विभाग प्रमुख राहुल भाटिया ने बताया कि आज के दिवस विज्ञान की तीनों विधाओं जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान व भौतिक विज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्रों ने ग्रुप में प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग से आठ व सीनियर वर्ग से सात ग्रुप ने प्रतिभाग किया।

कोटद्वार के रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थी

जूनियर वर्ग में पीयूष, अनुरोध, सिमरन ग्रुप प्रथम, अनमोल, मधुसूदन, रुद्रांश ग्रुप द्वितीय और सक्षम, कुणाल, आराध्या ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। सीनियर वर्ग में अनुष्का, वंशिका, अंशु ग्रुप प्रथम, व्योम, दीप्ति, अनुराग जुयाल ग्रुप ने द्वितीय और विभूति, सोनाक्षी व निहारिका ग्रुप तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका संगीता कुकशाल, संगीता रावत, चंद्रप्रकाश, राहुल भाटिया, संगीता रावत, शिवराम बडोला, राजन कुमार, देवेंद्र कुमार आदि ने निभाई।

भंडारे के साथ शिव महापुराण का समापन, कीर्तन मंडलियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत उदयरामपुर में विभिन्न कीर्तन मंडलियों की ओर से आयोजित शिवमहापुराण कथा का मंगलवार को समापन हो गया है। इस दौरान कीर्तन मंडलियों को सम्मानित किया गया। साथ ही मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का भी आयोजन हुआ। कथा के अंतिम दिन आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने भक्तों से अपने जीवन में शिव को अपनाने की सीख दी। कहा कि धार्मिक आयोजनों में भावनाएं होनी जरूरी है। सगुण, साकार, सूर्य, चंद्रमा, जल, पृथ्वी, वायु यह एक शिवपुराण का स्वरूप है। कहा कि अपने चारों और सदैव वातावरण शुद्ध रखें जहां स्वच्छता और शांति होती है, वहां देवताओं का वास होता है। कहा कि शिव ही मनुष्य को सांसारिक बंधनों से मुक्त कर सकते हैं। शिव की भक्ति से सुख व समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। इस अलौकिक शिवपुराण की कथा सुनाना अर्थात पाप से विमुक्त होना है। कथा समापन के उपरांत विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। साथ ही आयोजन में अहम भागीदारी निभाने वाली कीर्तन मंडलियों को सम्मानित किया गया।

शिव महापुराण के समापन पर कीर्तन मंडलियों को सम्मानित करते अतिथि पं.राजेंद्र अण्थवाल

कार्यक्रम में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र अण्थ्वाल ने कहा कि हम सभी को अपनी संस्कृति व सभ्यता को बचाने के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, निवर्तमान महापौर हेमलता नेगी, प्रकाश चंद्र कोठारी, मयंक कोठारी, सिंधु कोठारी, भरोसानंद कंडवाल, राज गौरव नौटियाल, प्रवेश नवानी, एसएन नौटियाल, राजेंद्र पंत आदि मौजूद रहे।

प्राकृतिक स्रोत से पानी ढोने को मजबूर ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत न्याय पंचायत चाचकंडा के नौ गावों में नियमित पेयजल आपूर्ति न होने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल आपूर्ति नियमित न होने से न्याय पंचायत के करीब 1400 परिवार प्रभावित हैं। ग्रामीणों को 2 किमी. दूर चौड़ी स्थल से प्राकृतिक स्रोत से पानी ढोना पड़ रहा है।

ग्राम प्रधान ऐराड़ी बीरबल सिंह चौहान, ग्राम प्रधान सिरसेड़ रजनी देवी, ग्राम प्रधान चाचकंडा मनीष बलूनी, ग्राम प्रधान गोन्नी ममता देवी ने कहा कि कोटेश्वर-सिल्काखाल पेयजल पंपिंग योजना से ग्राम पंचायत चाचकंडा के सिरसेड़, सारकेणा, कफना, सुन्नी, गोन्नी, ऐराड़ी, काण्डी को पेयजल आपूर्ति होती है, लेकिन बीते 15 दिनों से पेयजल योजना से एक बार ही पानी की आपूर्ति हुई है। जिससे ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि ग्रामीणों को गांव से दो किमी. दूर स्थित चौड़ी नामक स्थान से पानी ढोना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग से जल्द पेयजल व्यवस्था को सुचारु किए जाने की मांग की है। वहीं ग्राम प्रधान नैथाणा आशा देवी ने गांव में चार माह से पेयजल आपूर्ति न होने पर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में प्रधान नैथाणा आशा देवी, गुड्डी देवी, पुष्पा देवी, संतोषी देवी, अनीता देवी ने कहा कि ग्राम नैथाणा और नौर के अंतर्गत बिछोलिया मोहल्ले में विगत चार माह से पानी की आपूर्ति पूर्ण रूप से ठप पड़ी हुई है। समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को बताया गया है।

जनपदों में होगा इकाइयों का गठन

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड के पारंपरिक खेलों को पहचान दिलाने को लेकर ट्रेडिशनल गेम्स एसोसिएशन ने नई पहल शुरू की है। जिसमें बच्चों को उत्तराखंड के विलुप्त होने वाले पारंपरिक खेल मुर्गा झपट, बाघ बकरी, पिट्ठू आदि खेलों के बारे में बताया व खिलाया जायेगा। ट्रेडिशनल गेम्स एसोसिएशन उत्तराखंड के अध्यक्ष मनीष कोठियाल ने कहा कि प्रदेश में मुर्गा झपट, बाघ बकरी जैसे प्राचीन पारंपरिक खेल हैं, लेकिन प्रचार-प्रसार और आधुनिक खेलों के बीच यह खेल विलुप्त होते जा रहे हैं। यह खेल ग्रामीण अंचलों में आज भी खेले जाते हैं।

अदालती सूचना

न्यायालय असि0 कलेक्ट्रर प्रथम श्रेणी, कोटद्वार गढ़वाल

राजस्व वाद संख्या- 1 सन् 19

श्री सुरेशानन्द सुयाल -बनाम- उत्तराखण्ड सरकार आदि

समन बनाम

श्रीमती कान्ती देवी पत्नी श्री सत्यप्रकाश
श्री दीपक पुत्र श्री सत्यप्रकाश
श्री श्रीश पुत्र श्री सत्यप्रकाश
श्री आशीष पुत्र श्री सत्यप्रकाश

समस्त निवासीगण ग्राम लालपानी पल्ली, पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

हरगाह वादी उपरोक्त ने मेरे न्यायालय में एक घोषणात्मक वाद अन्तर्गत धारा-229बी ज0उ0 एवं भू0सु0अधि0 के अन्तर्गत पेश किया है। जिसमें आपकी उपस्थिति वांछनीय है।

अतः आपको हुक्म होता है कि आप दिनांक 09/08/24 को बवक्त 10.00 बजे दिन मेरे न्यायालय असालतन या वकालतन न्यायालय उपस्थित होकर अपनी पैरवी करना सुनिश्चित करे अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के आज दिनांक 30/07/2024 को जारी किया गया।

आज्ञा से
न्यायालय असि0 कलेक्ट्रर प्रथम श्रेणी,
कोटद्वार गढ़वाल
(0316/15)

लैंडस्लाइड वाले स्थान का एक सप्ताह के अंदर होगा सर्वेक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय ने कहा कि कोटद्वार-पौड़ी मार्ग पर दुगड्डा में हो रहे लैंड स्लाइड वाले स्थान का एक हफ्ते के भीतर भूगर्भीय सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वे के रिपोर्ट आने के बाद विशेषज्ञों की राय पर यहां पर काम शुरू किया जाएगा। कई अफसरों के फोन नहीं उठाने के सवाल पर आयुक्त ने साफ कहा कि ऐसे अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मंगलवार को आयुक्त कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय ने कहा कि जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण में लंबित वादों को निपटाने के लिए अब हर महीने के पहले सप्ताह में एक दिन लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। कहा कि सितंबर महीने से चारधाम यात्रा का दूसरा फेज शुरू होगा। यात्रा को सुगम बनाने को लेकर तीन अगस्त को यात्रा से जुड़े हुए विभिन्न व्यावसायियों, अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। आयुक्त ने बताया कि ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों के अपने ही क्षेत्र में रहकर लोगों की समस्याएं हल करने के लिए जिम्मेदारी तय करने के लिए जियो टैगिंग की व्यवस्था की जा रही है।

दैनिक वेतन और संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उत्तराखंड जल संस्थान के तहत गढ़वाल एवं कुमाऊं मंडल के अंशकालिक मजदूर संघ ने दैनिक वेतन, संविदा, आउटसोर्स कार्मिकों के नियमितीकरण की मांग की है। राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ के आह्वान पर 17 अगस्त से देहरादून, हल्द्वानी, टनकपुर, टिहरी के कर्मचारी एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे।

कहा कि संस्थान में कई पद खाली होने के बाद भी इन कार्मिकों को स्थाई रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजकर युवाओं को नियमितीकरण करने की मांग उठाई है। सीएम को ज्ञापन भेजते हुए शाखा अध्यक्ष शिवचरण कोहली ने कहा कि राज्य के सार्वजनिक निगमों, निकायों, उपकर्मों व जल संस्थान में करीब एक लाख कार्मिक दैनिक वेतन, संविदा, विशेष श्रेणी, अंशकालिक, पीटीसी, आउटसोर्स पर कार्य कर रहे हैं। कहा कि संस्थान के विभिन्न उपक्रमों में हजारों पद खाली हैं। जिनके सापेक्ष संविदा कार्मिक कार्य कर रहे हैं। कहा कि नियमितीकरण की प्रतीक्षा में कई कार्मिक दैनिक वेतन पर ही सेवानिवृत्त हो गए। जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से ऐसे कर्मियों को नियमित करने की मांग की। कहा कि राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ के आह्वान पर 17 अगस्त से देहरादून, हल्द्वानी, टनकपुर, टिहरी के कर्मचारी एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद भी मांग पूरी नहीं हुई तो सचिवालय कूच व रैली के साथ ही कार्य बहिष्कार व उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

राइका देवलगढ़ के छात्रों को दी कानूनी जानकारी

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर पुलिस ने राजकीय इंटर कालेज देवलगढ़ के छात्र-छात्राओं को नये आपराधिक कानूनों की जानकारी दी। साथ ही आमजन के साथ बढ़ते साईबर अपराधों से बचाव करने व अपराध होने पर टोल फ्री नं 1930 पर तुरन्त शिकायत दर्ज करने, सोशल मीडिया मे भ्रामक सूचनाओ के दुष्प्रभावों व छेड़छाड़ करने वाले व्यक्तियों से बचाव व आपराधिक घटना घटित होने पर आपातकालीन नम्बर 112 पर जानकारी देने के लिये जागरूक किया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि देवलगढ़ में करीब 10 जरुरतमंदों एकल बुजुर्ग दम्पतियों को पुलिस लाईन पौड़ी गढ़वाल से प्राप्त राशन किट वितरित की गयी, जिस पर स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस का धन्यवाद किया गया। (एजेंसी)

विकासखंड, तहसील, नगर निकाय व बैंकों में स्थापित करें आधार सेंटर : डीएम

जिलाधिकारी ने ली आधार अनुश्रवण समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें आधार संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में आधार की सुविधा नहीं है, वहां पर आधार पंजीकरण केंद्र स्थापित करना सुनिश्चित करें। जिससे आमजनमानस अपने नजदीकी केंद्रों में आधार कार्ड बना सकेंगे।

मंगलवार को एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी ने आधार अनुश्रवण समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन लोगों द्वारा नए आधार कार्ड, एड्रेस सही करना, फोटो, मोबाइल नंबर अपडेट, बायोमेट्रिक सहित अन्य गतिविधि को सुधार करना है इसके लिए विकासखंड स्तर, तहसील, नगर निकाय के अलावा पोस्ट ऑफिस व बैंकों में आधार सेंटर स्थापित करें। साथ ही उन्होंने 0 से 5 साल के बच्चों का अनिवार्य रूप से आधार कार्ड बनाने को कहा।

उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि 5 से 17 वर्ष के बच्चों का विद्यालय में ही बायोमैट्रिक अपडेट करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को निर्देश देते हुए कहा कि आधार मशीनों की संख्या बढ़ाते हुए एक सप्ताह के भीतर उन्हें संचालित करें। जिससे लोगों को उसका लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बैंक, शिक्षा व बाल विकास विभाग के अधिकारियों को कहा कि जिन क्षेत्रों में आधार मशीनें स्थापित की जाएगी उनका समय-समय पर निरीक्षण करना सुनिश्चित करें तथा देखें कि कार्यप्रणाली सही चल रही कि नहीं। जिलाधिकारी ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैंकों में भी आधार मशीन स्थापित करें। जिससे बैंक में आने वाले लोग उसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि जिनके आधार कार्ड बनाए हुए 10 साल से ज्यादा हो गया है वह भी अपने आधार कार्ड को अपडेट कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के अंतर्गत आधार केंद्र स्थापित करने की सूचना को फ्लेक्स व पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें। जिससे लोगों को उसकी जानकारी मिल सके और वह अपने आधार कार्ड को सुधार सकेंगे। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस दीक्षिता जोशी, उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, लीड बैंक अधिकारी प्रताप सिंह राणा, एसीएमओ डॉ. रमेश कुंवर, जिला शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्तवाल, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सचिन भट्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई–निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसमें उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (जी०एस०टी, ई०पी०एफ व ई०एस०आई में पंजीकृत) हो तथा पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में जिसमें प्रथम भाग में वांछित जी०एस०टी, ई०पी०एफ, ई०एस०आई, धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए एवं अन्य शर्तें जो निविदा से सम्बन्धित हो तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 06 माह के लिए वैध हो आमन्त्रित की जाती है बिना प्रथम भाग के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी ई–निविदा को निरस्त कर सकते हैं। कार्य अन्य विवरण के लिये वेबसाइट www.uktenders.gov.in को देखें।

ई–निविदा संख्या	ई–निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	ई–निविदा क्रय करने हेतु अन्तिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र आनलाइन एवं ऑफलाइन निविदा प्रथम भाग खुलने की तिथि एवं समय
05/EDDK /24–25	रू0 1180/–	33/11 केवी सबस्टेशन कालागढ़ से निकले पोषकों का अनुरक्षण एवं उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण आदि कार्य।	0.45	दि0. 16.08.2024 10.00 बजे तक	दि0. 16.08.2024 12.00 बजे तक	दि0. 16.08.2024 15.30 बजे तक

पत्रांक : 1528/विविखको/टी–6 दिनांक : 30.07.2024 अधिशासी अभियन्ता

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

एक नजर

कम ब्याज पर कलेक्ट्रेट कर्मियों को मिलेगा ऋण

रूद्रप्रयाग : कर्मचारियों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने को लेकर उत्तराखंड ग्रामीण बैंक और जिलाधिकारी कार्यालय जनपद रुद्रप्रयाग के मध्य एमओयू त्रिपक्षीय अनुबंध पर समझौता हुआ है।

सहायक महाप्रंधक यूजीबी प्रवीण कुमार गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुबंध में अब जिलाधिकारी कार्यालय के कर्मचारियों/अधिकारियों को कम ब्याज दर पर व्यक्तिगत ऋण दिया जाएगा। जबकि 25 लाख का दुर्घटना बीमा बैंक की तरफ से कराया जाएगा। इधर, जिलाधिकारी कार्यालय के अधिकारी कर्मचारियों ने बैंक की इस पहल का स्वागत किया है। वहीं इस योजना में बैंक द्वारा कई विभगों को सुविधा प्रदान की जा रही है। इस मौके पर जिलाधिकारी कार्यालय से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी देवराज सिंह रौतेला, डीसीएस बिष्ट, गजपाल अग्निहोत्री, सूर्यप्रकाश, सौरभ असवाल मोहम्मद आरिफ, शाखा प्रबंधक राजेंद्र रावत, अंकित गुसाईं आदि मौजूद थे।

दून में एक अगस्त से धरना देंगे राज्य आंदोलनकारी

देहरादून। राज्य आंदोलनकारियों ने एक अगस्त से देहरादून में धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। उन्होंने लंबित मांगों पर प्रदेश सरकार पर झूठे आश्वासनों का आरोप लगाया है। राज्य आंदोलनकारी मंच की संयोजक क्रांति कुकरेती ने मंगलवार जारी बयान में कहा कि हाल ही में हुई मंच की बैठक में आंदोलन का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी 10 वर्षों से अदालती लड़ाइयों, धरना–प्रदर्शन, झूठे आश्वासनों से तंग आ चुके हैं। राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण, चिह्नीकरण, समान पेंशन की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। गत 30 जून को उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री से वार्ता की थी। सीएम ने तीन दिन में मांगों के पर कार्यवाही का आश्वासन दिया था, मगर एक माह होने के बाद भी हालात जस के तस हैं। दूसरी तरफ सरकार लगातार नई भर्तियों की विज्ञप्ति जारी कर रही है, जबकि आंदोलनकारियों को छला जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुष्कर सिंह धामी के सीएम बनने के बाद उनका मामला कुछ आगे बढ़ा था, लेकिन वो राजभवन में जाकर लटक गया। कहा कि अन्य विधेयक तो राजभवन से अनुमोदित करवा लिए गए, लेकिन राज्य आंदोलनकारियों को प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। लिहाजा, एक अगस्त से देहरादून शहीद स्मारक पर धरना दिया जाएगा।

सीएम आवास कूच कर रहे बेरोजगारों को पुलिस ने रोका, हंगामा

देहरादून। अपनी मांगों को लेकर सीएम आवास कूच करने वाले बेरोजगारों को पुलिस ने अभिषेक टावर के पास ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। जिस पर बेरोजगारों ने वहां जमकर हंगामा किया और वहीं धरने पर बैठ गए। बाद में प्रतिनिधिमंडल को सीएम के प्रतिनिधि से मिलावाया गया। मांगों पर विचार को आश्वासन मिलने के बाद बेरोजगारों ने धरना खत्म किया। सुबह बड़ी संख्या में बेरोजगार उत्तराखंड बेरोजगार संघ के बैनर तले परेड ग्राउंड में जमा हुए। वहां से वे कूच करते हुए सीएम आवास की ओर निकले। लेकिन पुलिस ने अभिषेक टावर पर दोनों ओर बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें वहीं रोक लिया। बेरोजगारों ने सीएम आवास जाने की अनुमति मांगी लेकिन पुलिस ने उन्हें अनुमति नहीं दी। जिस पर वहां हंगामा होने लगा। बाद में बेरोजगार वहीं धरने पर बैठ गए। संघ के उपाध्यक्ष राम कंडवाल ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री आवास कूच की सूचना 8 दिन पहले सिटी मजिस्ट्रेट और ट्रैफिक पुलिस को दे दी थी। लेकिन फिर भी उन्हें परेड ग्राउंड से 200 मीटर के भीतर रोक लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस या अन्य दलों को मुख्यमंत्री कूच की अनुमति दे दी जाती है, लेकिन उत्तराखंड के बेरोजगारों को मुख्यमंत्री से मिलने तक नहीं दिया गया। वहां धरने पर बैठने वालों में संघ के सचिव नितिन दत्त, प्रदेश संयोजक जेपी ध्यानी, सह संयोजक सुशील कैंथुरा, विशाल चौहान, रमेश तोमर, संजय, जसपाल और सचिन सहित कई बेरोजगार शामिल थे।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में यूथ रेडक्रास की भूमिका सराहनीय

देहरादून। डीआईटी यूनिवर्सिटी में मंगलवार को दीक्षारम्भ 2024 के मौके पर एक दिवसीय विशेष आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इसमें छात्रों को आपदा से निपटने और ऐसे वक्त पर प्रभावितों की मदद और बचाव के तरीके बताए गए।

आस्था एवं विकास के साथ सनातन संस्कृति के संरक्षण का कार्य कर रही सरकार : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

हरिद्वार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को ओम पुल घाट निकट डामकोठी, हरिद्वार में विभिन्न प्रदेशों से आये शिवभक्त कावड़ियों के चरण धोने के साथ माल्यार्पण, शॉल तथा गंगाजली भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से उत्तराखंड आए कावड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि हरिद्वार पूरे देश की श्रद्धा का केंद्र है। इस पवित्र स्थल पर मां गंगा एवं भगवान भोलेनाथ का विशेष आशीर्वाद है। श्रावण मास में कावड़ यात्रा का विशेष महत्व है। राज्य सरकार को कावड़ियों का स्वागत करने का सौभाग्य मिला है। कावड़ यात्रा को सुगम सुरक्षित बनाकर सरकार इस यात्रा में कावड़ियों का सहयोगी बनकर कार्य कर रही है। कावड़ियों की सेवा करना सभी

के लिए पुण्य का काम है। उन्होंने पुष्प वर्षा से कांवडियों के स्वागत को देवभूमि की अतिथि देवो भवः की परम्परा बतायी।

मुख्यमंत्री ने शिवभक्तों से अपील की कि हम व्यवस्था के साथ जुड़कर यात्रा का न केवल आनंद लें, बल्कि श्रद्धा-विश्वास के साथ आत्मानुशासन का परिचय देते हुए पावन श्रावण मास के कांवड़ यात्रा कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाने में योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कांवड यात्रा में शामिल सभी भक्तों को सुमग, सुरक्षित यात्रा की मंगलमय शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असीम श्रद्धाभाव के साथ देश के अलग-अलग भागों से श्रद्धालु कांवड़ यात्रा पर आ रहें हैं जो कि श्रद्धा व आस्था के साथ ही देश की आन बान शान तिरंगा भी साथ लेकर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ओम पुल घाट पर आयोजित शिव समागम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार आस्था एवं विकास के साथ सनातन संस्कृति के संरक्षण का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सभी कांवड़ श्रद्धालु गंगा जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कावड़ यात्रा के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य कैंप, शौचालय, पार्किंग, टीन शेड, विश्राम स्थल की पर्याप्त व्यवस्था की है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष व्यवस्थाओं को और अधिक सुधारा गया है। उन्होंने कहा पिछले वर्ष कावड़ यात्रा में करीब चार करोड़ कांवड़िए उत्तराखंड आए। भगवान भोलेनाथ की कृपा से पिछले वर्ष की यात्रा सकुशल संपन्न हुई। उन्होंने कहा इस वर्ष भी बड़ी संख्या में कांवड़ियों के उत्तराखंड आने का अनुमान है। जिसके लिए शासन-प्रशासन पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर विधायक मदन कौशिक, पूर्व मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, आदेश चौहान, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल आदि शामिल रहे।

उत्तराखंड संस्कृत निदेशालय और परिषद देहरादून शिफ्ट होंगे

हरिद्वार। उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार में चल रहे उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशालय और संस्कृत शिक्षा परिषद देहरादून शिफ्ट किए जा सकते हैं। इसके लिए संस्कृत शिक्षा सचिव ने विद्यालयी शिक्षा विभाग के खाली पड़े भवन को उपलब्ध कराने के लिए महानिदेशक को पत्र भेजा है।संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार ने बीती 22 जुलाई को विद्यालयी शिक्षा विभाग उत्तराखंड देहरादून के महानिदेशक को पत्र प्रेषित किया है। पत्र में उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशालय एवं परिषद के लिए उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ननूरखेड़ा देहरादून के रिक्त भवन को उपलब्ध कराए जाने की बात कहीं गई है। पत्र में यह भी बताया गया है कि बीती 30 जनवरी 2023 को संस्कृत शिक्षा एवं विद्यालय शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक के कार्यवृत्त के दौरान संस्कृत शिक्षा निदेशालय एवं परिषद को विद्यालयी शिक्षा विभाग के खाली पड़े भवन में शिफ्ट किए जाने का निर्णय लिया गया था। इस निर्णय के आधार पर पत्र प्रेषित कर खाली भवन को संस्कृत शिक्षा को दिए जाने के संबंध में अवगत करा गया है। उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशालय एवं उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद के पास अपना निजी भवन और भूमि नहीं होने के कारण यह बीते कई वर्षों से हरिद्वार स्थित उत्तराखंड संस्कृत अकादमी में संचालित हो रहे हैं। यह दोनों विभाग अकादमी के भवन में संचालित होने से हरिद्वार और प्रदेश के संस्कृत शिक्षकों को इसका लाभ पहुंच रहा है। अकेले हरिद्वार ही में संस्कृत के सबसे अधिक 20 विद्यालय है, जबकि देहरादून में मात्र 6 संस्कृत विद्यालय ही है।

बेटे के रेप के केस में फंसने का डर बनाकर डाक्टर से ठगे 12.40 लाख

देहरादून। डालनवाला क्षेत्र निवासी डाक्टर डा. दीपिका आहुजा मसूरी रोड निजी अस्पताल में कार्यरत हैं । उन्हें बीते 25 जुलाई को एक अनजान नंबर से फोन आया।

फोन करने वाले ने खुद को एसएचओ विजय साहू बताया। दावा किया कि उनका बेटा और तीन अन्य लड़के दस दिन पहले बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किए गए हैं। फोन करने वाले ने कहा कि वह यकीन करता है कि उनका बेटा निर्दोष है। पर उसे छोड़ने के लिए पैसे देने होंगे। कॉल में डॉ. आहुजा ने अपने बेटे की रोती हुई आवाज सुनी, जैसे कि उसे पीटा जा रहा हो। कॉलर ने महिला को डराया कि उनका फोन टैप किया गया है। किसी से संपर्क नहीं करें। इस तरह डाक्टर घबरा गई। पहले उन्होंने अपने गूगल पे के जरिए आरोपी को दो ट्रांजेक्शन में 90 रुपये भेजे। इसे बाद दबाव में आई महिला अपने बैंक गई और आरोपी के बताए खाते में तीन अलग–अलग ट्रांजेक्शन में साढ़े 11 लाख रुपये ट्रांसफर करा दिए। इसके बाद महिला की बहू घर पहुंची। पुत्र वधू को घटना का पता लगा तो पति को फोन किया। वह विधौली स्थित जिस संस्थान में नौकरी करते हैं वहां सुरक्षित थे। इसके बाद महिला को पता लगा कि डराकर साइबर ठगों ने चूना लगाया है। इंस्पेक्टर डालनवाला मनोज मैनवाल बताया कि महिला डाक्टर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रिर्पोट न आने पर आक्रोशित छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई टिहरी : बीते दिनों देवप्रयाग में गुलदार के शिकार हुए छात्र अनुराग चौहान के मामले में जांच समिति की रिपोर्ट न आने से गुस्सासे राइंका देवप्रयाग के छात्र-छात्राओं ने दोबारा तहसील में प्रदर्शन किया। जिसके बाद डीएफओ जीवन दगड़े ने फोन से प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। मामले को लेकर छात्रों ने तहसीलदार व रेंजर को ज्ञापन भी सौंपा।मंगलवार को पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष व प्रधान अरविंद जियाल, दीपक बेडवाल, वीरेंद्र सिंह की अगुवाई में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने तहसील मुख्यालय में गुलदार के मामले की रिपोर्ट का खुलासा नहीं किये जाने पर जमकर प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने जांच समिति की रिर्पोट शीघ्र जारी करने की मांग की। छात्रों के प्रदर्शन के बाद तहसीलदार एसएस रावत व रेंजर मदन सिंह रावत आंदोलनकारियों से वार्ता की।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के साथ पालिका की आय बढ़ाएं : सीडीओ

मुख्य विकास अधिकारी ने ली जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक हुई। बैठक में गंगा नदी की सभी प्रमुख सहायक नदियों के संरक्षण के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित कार्यों की समीक्षा की गई।मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश कि जल संस्थान को निर्देश दिए कि कर्णप्रयाग और जोशीमठ में नमामि गंगे द्वारा नव निर्मित एसटीपी की कमियों को दूर करते हुए शीघ्र हैडओवर की कार्रवाई पूरी करें। साथ ही यूपीआरएनएन को औद्योगिक संस्थान कालेश्वर में ईटीपी संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन एवं यात्रा व्यवसाय से जुड़े होटल को एसटीपी से

संयोजन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी एसटीपी का नियमित रूप से तकनीकी निरीक्षण भी किया जाए। वन विभाग को एसटीपी में सीवेज ट्रीटमेंट के बाद बचे कीचड़ (स्लज) का इस्तेमाल खाद बनाने में किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने नगर पालिका एवं नगर पंचायतों को यूजर्स चार्ज का समय पर क्लेक्शन करते हुए पालिका की आय बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डोर-टू-डोर कूडा कलेक्शन, सोर्स सेग्रीगेशन पर विशेष फोकस करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान किया जाए। जिला परियोजना अधिकारी गोविन्द सिंह ने विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद में स्वीकृत 16 एसटीपी का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें से 12 एसटीपी जल संस्थान को हैंड ओवर किए गए है। इन एसटीपी में 28 नालों को जोड़ा गया है। नगर निकायों में सोर्स सेग्रीगेशन, डोर-टू-डोर कूडा कलेक्शन, नालियों की नियमित सफाई तथा कूडे से खाद बनाने का काम किया जा रहा है। बैठक में एसीएमओ डॉ. एमएस खाती, एसडीओ प्रियंका सुंडली, जल संस्थान के अधिशासी अभियंता एसके श्रीवास्तव, जिला पर्यटन विकास अधिकारी बृजेंद्र पांडेय, ईओ गोपेश्वर पीएस नेगी सहित वर्चुअल माध्यम से सभी संबंधित अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी मौजूद थे।

हेमकुंड यात्रा मार्ग पर संचालित निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मंगलवार को हेमकुंड यात्रा मार्ग पर संचालित अवस्थापना विकास कार्यों और यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को हेमकुंड यात्रा मार्ग पर संचालित निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि यात्रा मार्ग पर मोड सुधार, सतह मरम्मत, रेलिंग और रेस्क्यू हेलीपैड के अवशेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करें। यात्रा मार्ग पर साइनेज, किलोमीटर, हेक्टोमीटर, स्टोन सेट पेवमेंट कार्य के साथ गोविन्द घाट से गुरुद्वारा बाईपास निर्माण कार्यों में तेजी लाए। पीएमजीएसवाई को पुलना मोटर मार्ग पर क्षतिग्रस्त स्थलों को ठीक करने के निर्देश दिए। जल संस्थान को यात्रा मार्ग पर स्थापित वाटर एटीएम संचालन और पेयजल लाईन की देखरेख के लिए ठोस व्यवस्था बनाने को कहा। ईडीसी को

स्ट्रीट लाइट का रख-रखाव करने और शीतकाल में स्ट्रीट लाइट को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग को सुलभ के साथ यात्रा मार्ग पर शौचालयों की मरम्मत, रख रखाव एवं साफ सफाई व्यवस्था करने को कहा। साथ ही पूरे यात्रा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट की आवश्यकता हेतु प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि हेमकुंड यात्रा मार्ग पर 04 पुराने निर्माण कार्य जल्द ही पूरे कर लिए जाएंगे। जबकि पांच नए निर्माण कार्यों में भी काम तेजी से चल रहा है और इसी सीजन में इनको पूरा करने का लक्ष्य है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, एसडीएम सीएस वशिष्ठ, लोनिवि के अधिशासी अभियंता आरएस चौहान, जिला पर्यटन विकास अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय, अधिशासी अभियंता संजय कुमार श्रीवास्तव, गुरुद्वारा प्रबंधक सेवा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में मौजूद थे।

रुद्रप्रयाग पहुंची कांग्रेस की केदारनाथ प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा

रूद्रप्रयाग : हरिद्वार से केदारनाथ धाम के लिए निकली कांग्रेस की केदारनाथ प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा मंगलवार को रुद्रप्रयाग पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं में काफी जोश देखा गया। नगर में पैदल चलते हुए कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जनता का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में केदारनाथ प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा रुद्रप्रयाग पहुंची। यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, गणेश गोदियाल, डॉ. हरक सिंह रावत, पूर्व मंत्री यशपाल आर्य, प्रीतम सिंह, रणजीत सिंह, पूर्व विधायक मनोज रावत शामिल रहे। मंगलवार को यात्रा ने गुलाबराय से मुख्य बाजार होते हुए केदारघाटी को प्रस्थान किया। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता केदारनाथ की जय, ऊं नमः शिवाय के जयघोष लगाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह यात्रा केदारनाथ की प्रतिष्ठा रक्षा को लेकर निकाली जा रही है। जिस तरह भाजपा द्वारा भगवान केदारनाथ धाम को दिल्ली में स्थापित करने के कुप्रयास किए जा रहे हैं उसके प्रति हर व्यक्ति को जागरूक करने की यात्रा है। कहा कि यात्रा का केदारनाथ में समापन होगा। यात्रा में कई स्थानों पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष कुंवर सजवाण, ब्लॉक प्रमुख प्रदीप थपलियाल, वीरेंद्र बुटोला, प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र बिष्ट, प्रशांत डोभाल, दीपक भंडारी, कुलदीप कंडारी, ईश्वर सिंह बिष्ट, शशि सेमवाल, बंटी जगवाण, लक्ष्मण सिंह रावत, रीता पुष्पवाण, विनोद चन्द्र, कुंवर लाल आर्य, गोपी रौथाण सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हैं। (एजेंसी)

केदारनाथ नहीं अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए यात्रा निकाल रही कांग्रेस : किशोर उपाध्याय

देहरादून। भाजपा के टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने मंगलवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा और आपदा सीजन में कांग्रेस पार्टी की ओर से पदयात्रा निकालना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता केदारनाथ धाम की नहीं बल्कि अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए यात्रा निकाल रहे हैं। किशोर उपाध्याय ने कहा कि टिहरी के साथ ही राज्य के कई क्षेत्र भीषण आपदा का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में कांग्रेस को आपदा राहत में हाथ बंटाना चाहिए था। लेकिन इसकी बजाए कांग्रेस के नेता यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बूढ़ाकेदार, उत्तरकाशी, यमुनोत्री, चमोली आदि स्थानों में स्थानीय लोगों को आपदा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय प्रशासन के साथ ही भाजपा के कार्यकर्ता इस मुश्किल घड़ी में आम लोगों का सहयोग करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी के नेता अपनी राजनैतिक यात्रा में मग्न हैं। उनके बड़े नेताओं और विशेषकर प्रदेश अध्यक्ष ने एक भी दिन आपदा प्रभावितों का दुख दर्द जानने की कोशिश नहीं की। इससे पूर्व भी जब उन्होंने हरिद्वार से यात्रा की शुरुआत की तो वहां कांवड़ की यात्रा चरम पर थी।उन्होंने कहा कि ऐसी राजनैतिक यात्रा किसी भी बड़ी समस्या का कारण बन सकती थी । लेकिन कांग्रेस के नेताओं को अपनी राजनीति से मतलब है। आम जनता को होने वाली असुविधाओं से उनका कोई वास्ता नहीं है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, जोत सिंह बिष्ट डॉ आरपी रतूड़ी, कमलेश रमन, सुनीता विद्यार्थी, राजेंद्र नेगी आदि मौजूद रहे।

अंधेरे में सीएम से मिलते हैं और उजाले में राजनीति करते हैं

किशोर उपाध्याय ने कांग्रेस विधायकों और नेताओं को लेकर कहा कि ये लोग अंधेरे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से अपने काम कराने के लिए मिलते हैं और बाहर आकर राजनैतिक विरोध करते हैं।

महिलाओं को छाते वितरित किए

देहरादून। ऑल इंडियन कांग्रेस संगठन की ओर से मंगलवार को भारुवाला ग्रांट स्थित मानव केंद्र में महिला ब्लॉक और वार्ड अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। इसमें महिलाओं को छाते भेंट किए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि लालचंद शर्मा ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में मुकाम हासिल कर रही हैं, वह समाज को सशक्त करने में जुटी हैं। विशिष्ट अतिथि मानव केंद्र के प्रबंधक धीरज शर्मा ने महिलाओं की सन्निग्नता पर खुशी जताई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पीयूष गौड़ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर ब्लॉक अध्यक्ष कुसुम देवी, उपाध्यक्ष मीना राय, महिला वार्ड अध्यक्ष बीना देवी, डीएस छेत्री, मन बहादुर राणा, रवि विश्वास राय, दीपिका, रूबी देवी, लक्ष्मी, अनीता, रेखा देवी, कमल, सावित्री, पार्वती अन्य मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

रूद्रप्रयाग : श्री काशी विश्वनाथ भक्त मण्डली के सहयोग से कलश यात्रा एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ गुप्तकाशी में 11 दिवसीय भागवत एवं शिव महापुराण कथा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। पहले दिन बड़ी संख्या में भक्तों ने मंदिर में पहुंचकर पुण्य अर्जित किया।विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में 11 दिवसीय कथा अनुष्ठान के प्रथम दिन ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रों के साथ गणेश पूजा, पंच पूजा, भद्र पूजा, व्यास पूजा समेत कई नित्य पूजाएं सम्पन्न की। इससे पूर्व मंदिर के पास गंगा-जमुना जलधारा से स्थानीय महिलाओं ने उत्साह के साथ जल कलश यात्रा निकाली। जिसमें लगभग 101 महिलाओं ने प्रतिभाग कर पुण्य अर्जित किया। कथा शुभारंभ से दोनों कथा वाचकों का ढोल नगाड़ों एवं फूल मालाओं से साथ जोरदार स्वागत किया। इस दौरान शिव के जयकारों के साथ पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। पिछले कई वर्षों से चल रहे इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर क्षेत्रीय लोगों में खासा उत्साह दिख रहा है। वह इस कार्य सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग दे रहे हैं। शिव महापुराण कथावाचक आचार्य रोशन जगूढ़ी ने शिव की महिमा का रसपान भक्तों का कराया। जबकि कथावाचक आचार्य मुकेश शुक्ला ने मां नव दुर्गा की कथाओं का शुभारंभ किया। 11 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में 8 अगस्त को भव्य जल कलश यात्रा एवं 9 अगस्त को पूर्णाहुति एवं भंडारे के साथ कथा का समापन किया जाएगा। कथा में श्रवण के लिए क्षेत्र के अधिक से अधिक भक्तों को पहुंचने की अपील की। जिससे धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके।

मित्रा फाउंडेशन ने गांधी पार्क में पौधे रोपे

देहरादून। मित्रा फाउंडेशन ने मंगलवार को मित्रता दिवस के मौके पर गांधी पार्क में पौधे रोपे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर यहां जामुन, आंवला, अमरूद सहित छायादार पौधे रोपे।

राजपुर रोड विधायक खजान दास, निवर्तमान मेयर उनियाल गामा, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक वर्मा, मित्रा फाउंडेशन की अध्यक्ष रितु मित्रा, निवर्तमान पार्षद देवेंद्र पाल सिंह मोंटी, अजय जोशी पौधे रोपने में शामिल रहे।

मॉनसून में ज्यादा बारिश फिर भी उमस बरकरार

देहरादून, उत्तराखंड में इस महीने अब तक सामान्य से 19 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। लेकिन, दिन के समय उमस बरकरार है। देहरादून समेत कई शहरों का तापमान दो से पांच डिग्री ज्यादा दर्ज हो रहा है। पहले बारिश और फिर उमस से पेट और त्वचा से जुड़ी बीमारियों का खतरा बना हुआ है। जुलाई में देहरादून का अधिकतम पारा सामान्य तौर पर 30 डिग्री तक रहता है। लेकिन, यह 33 से 35 डिग्री तक पहुंच रहा है। पंतनगर, मसूरी, टिहरी और मुक्तेश्वर समेत विभिन्न शहरों में भी तापमान सामान्य से दो से चार डिग्री ज्यादा बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिक रोहित थपलियाल के अनुसार, अलसुबह और रात को ही ज्यादातर बारिश हो रही है। दिन में धूप निकल रही है, जिसके चलते अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर जा

रहा है। उन्होंने बताय कि प्रदेशभर में 30 जुलाई और एक अगस्त को बारिश बढ़ेगी। जौलीग्रांट में 136.4 एमएम बारिश दर्ज मौसम विभाग के अनुसार, देहरादून में रविवार रात जमकर बारिश हुई। रात आठ बजे से लेकर देर रात दो बजे तक जौलीग्रांट में करीब 136.4, देहरादून में 92, हरिपुर में 73.2, लोहाघाट में 52 और कर्णप्रयाग में 44.6 एमएम बारिश दर्ज की गई।

बागेश्वर में सबसे ज्यादा, पौड़ी में कम बरसे बादल

जुलाई के महीने में उत्तराखंड में करीब 463.2 एमएम बारिश हुई, जो सामान्य (389.2 एमएम) से 19 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में बागेश्वर में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यहां सामान्य से 265 फीसदी ज्यादा यानी 949 एमएम बारिश हुई। जबकि, सबसे कम बारिश पौड़ी गढ़वाल में दर्ज हुई, जहां 261.1 एमएम बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य से 36 फीसदी कम है। दून में अब तक 636.4 एमएम बारिश दर्ज हुई है।

देहरादून का तापमान
25 जुलाई 33.4 डिग्री सेल्सियस
26 जुलाई 33 डिग्री सेल्सियस
27 जुलाई 31.3 डिग्री सेल्सियस
28 जुलाई 35.2 डिग्री सेल्सियस

जीवन के आधार स्तंभ हैं माता पिता: योगेश भट्ट

ऋषिकेश। लायंस क्लब ऋषिकेश रॉयल ने मंगलवार को माता–पिता सम्मान समारोह आयोजित किया, जिसमें क्लब के सदस्यों के माता–पिता को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने सभी से अपने परिजनों का सम्मान करने का संदेश दिया। समारोह का शुभारंभ सूचना आयुक्त उत्तराखंड योगेश भट्ट, निर्मल दीपमाला पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या नीरू अरोड़ा, निर्मल ज्ञान दान अकादमी की प्रधानाचार्या अमृतपाल डंग ने संयुक्त रूप से किया। योगेश भट्ट ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने माता–पिता का सम्मान जरूर करना चाहिए। क्लब अध्यक्ष लायन सुमित चोपड़ा ने कहा कि क्लब ने हमेशा समाज सेवा और सम्मान की परंपरा को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि माता–पिता हमारे जीवन के आधार स्तंभ हैं, और उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इस दौरान क्लब सदस्यों के माता पिता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक अतुल जैन और हिमांशु अरोड़ा ने समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। क्लब सदस्य पंकज चंदानी ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है, और यह समारोह उसी दिशा में एक कदम है। मौके पर आदित्य सिंह, विशाल भल्ला, अभिनव गोयल, चाहत चोपड़ा, सचिन गुर्जर, अनुज अरोड़ा, अतुल जैन, अतुल सिंघल, गुड्डू सिंह, हिमांशु अरोड़ा, पंकज चंदानी, पुनीत गर्ग, ऋषभ जैन, सागर ग्रोवर, सुशील छाबड़ा, तरुण चोपड़ा आदि उपस्थित रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com